Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 305 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 09 मई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत

सुवेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के सीएम

कोलकाता। बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। तमाम अटकलों और कयासों पर विराम लगाते हुए भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को बंगाल का नया मुख्यमंत्री चुन लिया है। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई नवनिर्वाचित 206 विधायकों(सुवेंदु दो सीटों से जीते हैं) की बैठक में सुवेंदु को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। शनिवार को कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भव्य समारोह के बीच नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे। न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई इस निर्णायक बैठक के लिए अमित

शाह को मुख्य पर्यवेक्षक बनाया गया था, जबकि उनके साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। बैठक के बाद अमित शाह ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि विधायक दल के नेता के चुनाव की प्रक्रिया पूरी लोकतांत्रिक रही। आठ प्रस्ताव आए और सभी में केवल सुवेंदु अधिकारी का ही नाम था। हमने दूसरे नाम के लिए पर्याप्त समय दिया, लेकिन कोई अन्य दावेदार सामने नहीं आया। सुवेंदु अधिकारी की इस ताजपोशी के पीछे सबसे बड़ा कारण उनका ममता बनर्जी को उनके ही घर में मात देना रहा।

सीएम साय शपथ समारोह में होंगे शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 9 मई को पश्चिम बंगाल के नई भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे. सीएम आज रायपुर से पश्चिम बंगाल के लिए रवाना होंगे. वह आज रात कोलकाता में ही रात्रि विश्राम करेंगे. छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलों में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया. इस प्रदेशव्यापी आयोजन को लेकर प्रशासनिक अमला वैवाहिक कार्यक्रम की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया.

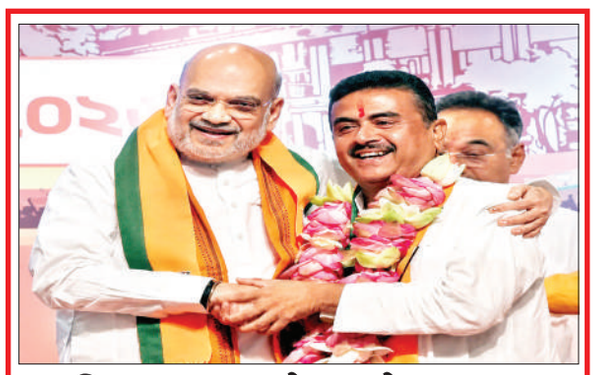

अमित शाह ने गले लगाया

अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी। सुवेंदु सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे। 56 साल के सुवेंदु ने सीएम ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है।

प्रधानमंत्री मोदी कल सोमनाथ जाएंगे

- पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मई को पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। उन्होंने यह जानकारी देते हुए एक लेख में भव्य-दिव्य सोमनाथ धाम को समर्पित अपनी भावनाएं भी व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावनस्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए किस प्रकार देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना लेख शेयर किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को मुझे एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलने वाला है। यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावनस्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए किस प्रकार देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया।

सोमनाथ मंदिर को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लेख में इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने बताया कि 2026 की शुरुआत में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होना उनके लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा, जो मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया गया था।उन्होंने लिखा, वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला।

तमिलनाडु में टीवीके को सरकार बनाने का न्योता, आज सुबह 11 बजे विजय लेंगे सीएम पद की शपथ

चेन्नई। तमिलनाडु में सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, टीवीके चीफ विजय ने शुक्रवार शाम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। ऐसे में टीवीके चीफ विजय 9 मई को सुबह 11 बजे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हो सकते हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में तमिलगा

वेत्री कझगम 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर मिले बड़े अधिकार

जम्मू कश्मीर। केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल को केंद्र शासित प्रदेश में टेलीकॉम सेवाओं पर महत्वपूर्ण नियंत्रण अधिकार प्रदान कर दिए हैं। इन अधिकारों में सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में सिग्नल इंटरसेप्शन, टेलीकॉम सेवाओं का निलंबन और संदेशों को डिक्रिप्ट करने की शक्तियां शामिल हैं।

इस संबंध में गुरुवार को केंद्र सरकार की ओर से

आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना में राष्ट्रपति के निर्देश का हवाला देते हुए कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के प्रशासक (उपराज्यपाल) टेलीकम्युनिकेशन एक्ट, 2023 की धारा 20 की उपधारा (2) के तहत राज्य सरकार के अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। यह व्यवस्था राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी। ये शक्तियां खासतौर पर आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान उपयोगी साबित होती हैं। सुरक्षा बल अक्सर उन इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर देते हैं, जहां आतंकियों से मुठभेड़ चल रही होती है।

संबित मिश्रा होंगे रायपुर निगम के नए आयुक्त

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर निगम में नए आयुक्त की नियुक्ति कर दी गई है। 2018 बैच के आईएएस अधिकारी संबित मिश्रा अब नगर निगम की कमान संभालेंगे। वे सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे। प्रशासनिक गलियारों में उनकी पहचान फील्ड में सक्रिय रहने वाले और तकनीक आधारित कामकाज को बढ़ावा देने वाले अधिकारी के रूप में रही है। ओडिशा के भुवनेश्वर से ताल्लुक रखने वाले संबित मिश्रा ने यूपीएससी परीक्षा में ऑल इंडिया 51वीं रैंक हासिल की थी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई उन्होंने आईआईटी कानपुर से की, जबकि पब्लिक मैनेजमेंट में मास्टर्स की डिग्री जेएनयू से ली।

अपने अब तक के कार्यकाल में उन्होंने नगरीय प्रशासन से लेकर पंचायत और नक्सल प्रभावित इलाकों तक काम किया है। रायगढ़ नगर निगम आयुक्त, जशपुर जिला पंचायत सीईओ और कोरबा जिला पंचायत सीईओ जैसे पदों पर रहते हुए उन्होंने कई योजनाओं की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन संभाला। बीजापुर कलेक्टर रहते हुए उनका कार्यशैली सबसे ज्यादा चर्चा में रही। नक्सल प्रभावित गांवों में पहुंचकर सीधे लोगों से संवाद करना और मौके पर समस्याओं का समाधान निकालना उनकी पहचान बना। बांगोली जैसे दूरस्थ गांव तक पैदल पहुंचने की तस्वीरें भी उस दौरान काफी चर्चा में रही थीं।

सुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने श्री सुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायक दल का सर्वसम्मति से नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। श्री देव ने अपने बधाई संदेश में कहा कि श्री अधिकारी का नेतृत्व पश्चिम बंगाल में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जन-आकांक्षाओं को स्वर देने में मील का पत्थर साबित होगा और श्री अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में बंगाल भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अखण्ड भारत के स्वप्नद्रष्टा अमर बलिदानी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपनों के सोनार बांग्ला के संकल्प को सिद्ध करने के लिए नई ऊर्जा के

साथ कार्य करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने श्री देव ने कामना की कि भाजपा शासनकाल बंगाल में भयमुक्त वातावरण का सृजन करके राज्य को नवनिर्माण की ओर अग्रसर करेगा। बंगाल की जनता जिस सुशासन और सर्वतोमुखी विकास की प्रतीक्षा कर रही है, उसे धरातल पर उतारने में श्री अधिकारी के नेतृत्व में गठित होने वाली प्रदेश सरकार की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रहेगी। बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और एकात्म राष्ट्रवाद की रक्षा करते हुए एक ऐसे बंगाल का उदय होगा जो विकास के हर मानक पर देश का नेतृत्व करेगा। श्री देव ने कहा कि श्री अधिकारी का लंबा राजनैतिक अनुभव और बंगाल की माटी से उनका जुड़ाव राज्य में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा।

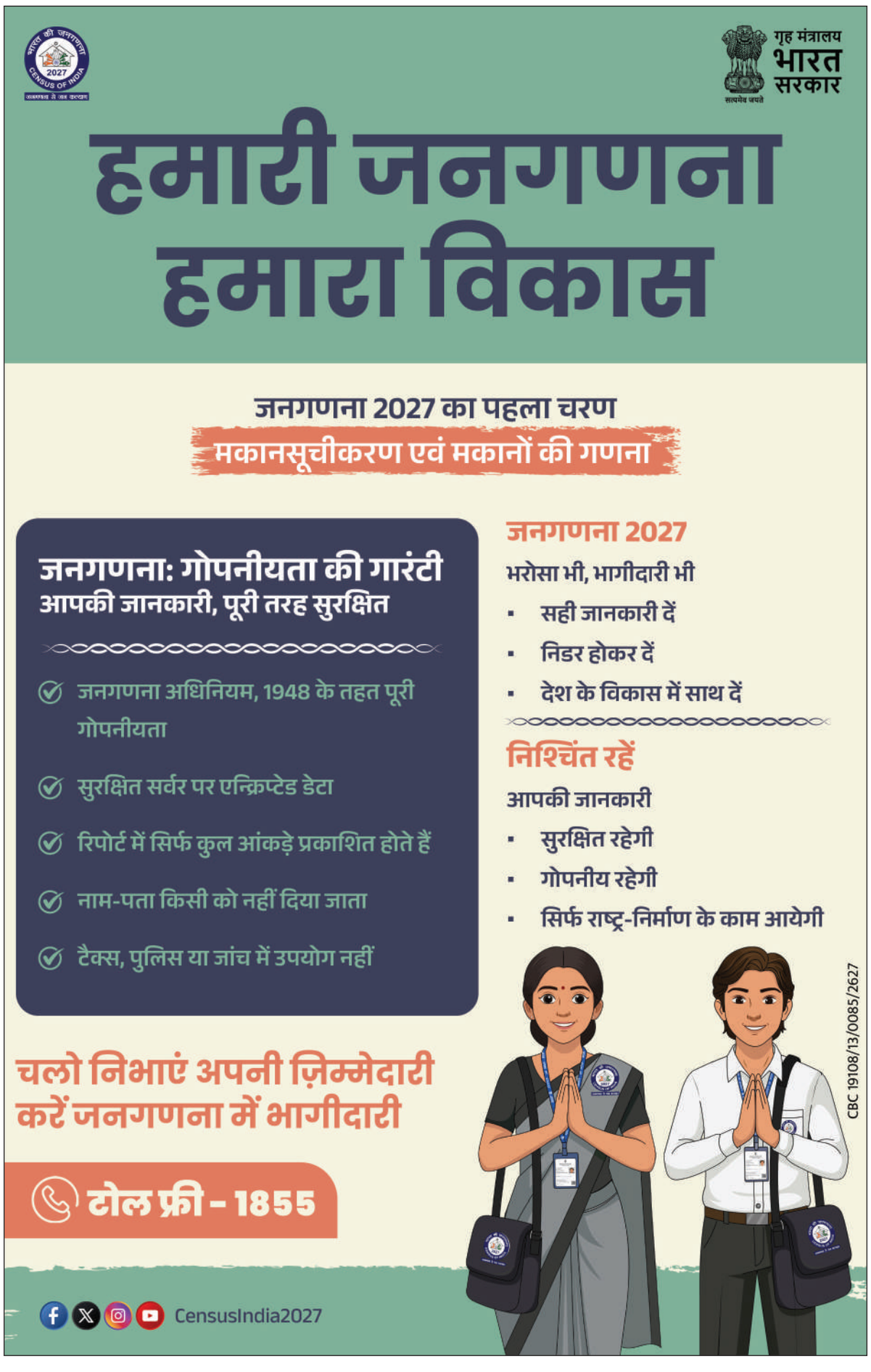

नीति आयोग की रिपोर्ट: लड़कियों के लिए शौचालय की भारी कमी

1.19 लाख स्कूलों में अब भी बिजली नहीं

नई दिल्ली। देश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत एक बार फिर सामने आई है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के हजारों सरकारी स्कूल आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कई स्कूलों में न बिजली है, न साफ पानी, और न ही छात्राओं के लिए कार्यात्मक शौचालय उपलब्ध हैं। भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, देश के 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यात्मक शौचालय नहीं हैं। इसके अलावा 61,540 स्कूलों में सामान्य उपयोग योग्य शौचालय भी उपलब्ध नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है और ड्रॉप-आउट दर बढ़ती है।

रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में स्कूलों में बिजली की उपलब्धता में सुधार हुआ है। वर्ष 2013-14 में जहां केवल 55 प्रतिशत स्कूलों में बिजली थी, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 91.9 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसके बावजूद देश के करीब 1.19 लाख स्कूल आज भी बिजली सुविधा से वंचित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 1.04 लाख स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है। इनमें लगभग 89 प्रतिशत स्कूल ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के सीखने की क्षमता पर गंभीर असर पड़ रहा है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कई राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के बाद बच्चों का स्कूल छोड़ना गंभीर समस्या बना हुआ है।

प्रदेश में आंधी-बारिश, 50 किमी की रफ्तार से चलेगी हवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रायपुर समेत कई जिलों में शुक्रवार शाम मौसम बदला और तेज हवाएं चलनी लगी। कुछ जगहों पर बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों तक अंधड़-बारिश की स्थिति रह सकती है। 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी दी गई है। इस मौसमी बदलाव का तापमान पर ज्यादा असर नहीं होगा और अधिकतम पारा धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ेगा, जिसकी शुरुआत पिछले 24 घंटों में हुई 2 डिग्री की वृद्धि से हो चुकी है।

थैलेसीमिया के साइलेंट कैरियर, जीवनभर के परिणाम : विवाह-पूर्व जांच क्यों है ज़रूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। डॉ. मुकेश कुमार शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, जनरल मेडिसिन, नारायणा एमएमआई हॉस्पिटलविवाह से पहले छिपा हुआ खतराकई लोग थैलेसीमिया ट्रेट के कैरियर होते हैं, लेकिन उन्हें इसका पता भी नहीं होता। वे पूरी तरह स्वस्थ दिखते हैं, उनमें कोई लक्षण नहीं होते, और उन्हें यह जानकारी नहीं होती कि वे यह जीन अपने बच्चों में पहुँचा सकते हैं। यही कारण है कि थैलेसीमिया एक खतरनाक स्थिति बन जाती है, क्योंकि इसका जोखिम तब तक सामने नहीं आता जब तक दो कैरियर विवाह करके थैलेसीमिया मेजर से प्रभावित बच्चे को जन्म नहीं देते।

विवाह-पूर्व जांच क्यों है आवश्यक :- विवाह-पूर्व जांच एक साधारण रक्त परीक्षण के माध्यम से यह पता लगाने में मदद करती है कि व्यक्ति थैलेसीमिया का कैरियर है या नहीं। यदि दोनों साथी कैरियर पाए जाते हैं, तो वे परिवार शुरू करने से पहले आनुवंशिक जोखिम को समझ सकते हैं। इससे दंपत्ति को चिकित्सकीय सलाह लेने और सोच-समझकर निर्णय लेने का अवसर मिलता है। यह विवाह को रोकने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य में होने वाले अनावश्यक कष्ट को रोकने के लिए है।

एक रोका जा सकने वाला आजीवन बोझ :- यदि दोनों साथी कैरियर हों, तो हर गर्भावस्था में 25 प्रतिशत संभावना होती है कि बच्चा थैलेसीमिया मेजर से प्रभावित होगा। ऐसे बच्चों को जीवनभर नियमित रक्त चढ़ाने, बार-बार अस्पताल जाने और लगातार चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता होती है। इससे परिवार पर भावनात्मक, शारीरिक और आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। लेकिन यदि समय रहते कैरियर की पहचान हो जाए, तो इस स्थिति को काफी हद तक रोका जा सकता है।

जागरूकता से सुरक्षित हो सकती हैं आने वाली पीढ़ियाँ :- भारत में लाखों लोग थैलेसीमिया के साइलेंट कैरियर हैं, लेकिन बहुत कम लोग विवाह से पहले इसकी जांच करवाते हैं।

जागरूकता की कमी के कारण कई परिवारों को इस बीमारी का पता तब चलता है जब उनका बच्चा इससे प्रभावित होकर जन्म लेता है। विवाह पूर्व जांच सही समय पर जागरूकता पैदा करती है- बीमारी अगली पीढ़ी तक पहुँचने से पहले- जिससे परिवार जिम्मेदारी से योजना बना सकते हैं और अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं।

एक साधारण जांच, जीवनभर का प्रभाव :- थैलेसीमिया की विवाह-पूर्व जांच एक सरल, सस्ती और प्रभावी रोकथाम उपाय है। यह दंपत्तियों को सही जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाती है और गंभीर थैलेसीमिया से प्रभावित बच्चों की संख्या कम करने में मदद करती है।

ऐसे देश में जहाँ थैलेसीमिया का बोझ अभी भी अधिक है, इस जांच को विवाह पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण का नियमित हिस्सा बनाना परिवारों को आजीवन कठिनाइयों से बचा सकता है।

रोकथाम की शुरुआत माता-पिता बनने से पहले :- विवाह-पूर्व जांच का सबसे बड़ा महत्व इसकी रोकथाम में है। एक बार यदि बच्चा थैलेसीमिया मेजर के साथ जन्म लेता है, तो परिवार को जीवनभर उपचार और देखभाल के चक्र से गुजरना पड़ता है। लेकिन विवाह से पहले कैरियर की पहचान कर दंपत्ति इस बीमारी को रोकने के लिए सही कदम उठा सकते हैं। विवाह से पहले की गई एक छोटी-सी जांच अगली पीढ़ी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

पावर हाउस क्षेत्र में सड़क बाधा और गंदगी फैलाने वालों पर निगम की कार्रवाई

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत पावर हाउस क्षेत्र में सड़क बाधित कर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों एवं फल ठेला संचालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। निगम की टीम द्वारा सड़क एवं आसपास गंदगी फैलाने वालों, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों तथा कबाड़ी व्यवसाय के माध्यम से गंदगी फैलाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान संबंधित लोगों से सड़क बाधा उत्पन्न करने एवं गंदगी फैलाने के आरोप में कुल 4400 रुपये का अर्थदंड वसूला गया। निगम अधिकारियों ने संबंधितों को समझाइश देते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा सड़क बाधा या गंदगी फैलाते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा लगातार शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा स्वच्छता व्यवस्था बेहतर करने अभियान चलाया जा रहा है। पावर हाउस क्षेत्र शहर का व्यस्ततम इलाका होने के कारण यहां सड़क पर अतिक्रमण एवं गंदगी फैलाने से आम नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, तोड़फोड़ प्रभारी हरिओम गुप्ता सहित निगम की टीम उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 57 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने दिया आशीर्वाद

बसना (विश्व परिवार)। बसना विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत खुशियों की नई सौगात देखने को मिली। क्षेत्र के सांकरा और गढफुलझर में आयोजित भव्य समारोहों में कुल 57 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस गौरवशाली और पुनीत अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और नव-दाम्पत्य जीवन की शुरुआत करने वाले जोड़ों को अपना स्नेहिल आशीर्वाद प्रदान किया।

सांकराः समरसता भवन में 37 जोड़ों का हुआ विवाह :- सांकरा स्थित समरसता भवन में आयोजित कार्यक्रम में 37 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कन्यादान के इस पावन कार्य में साक्षी बनकर नव-विवाहित जोड़ों को सुखद

भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विधायक की संवेदनशीलता तब देखने को मिली जब वे केवल मंच तक सीमित न रहकर स्वयं एक-एक जोड़े के पास पहुंचे। उन्होंने प्रत्येक जोड़े से मुलाकात की, उन्हें शासन द्वारा निर्धारित उपहार भेंट किए और एक अभिभावक की भांति उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया।

उन्होंने कहा कि एक पिता के लिए कन्यादान से बड़ा कोई दान नहीं होता। आज इन बेटियों के हाथ पीले होते देख मुझे आत्मिक संतोष हो रहा है। विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक परिवार मेरा अपना परिवार है।विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने आगे कहा कि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय हर गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना है। शासन की इस योजना से आज हमारी बेटियों का घर बस रहा है, जो अत्यंत हर्ष का विषय है। विवाह जीवन का एक नया अध्याय है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आप सभी का वैवाहिक जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो।

*गढफुलझरः रामचंडी मंदिर परिसर में गूंजी शहनाइयां

इसी कड़ी में बसना विधानसभा के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल गढफुलझर स्थित मां रामचंडी मंदिर परिसर में भी भव्य आयोजन हुआ। यहाँ 20 जोड़ों का सामूहिक विवाह विधि-विधान से कराया गया। पावन मंदिर की छत्रछाया में नव-दम्पत्तियों ने एक-दूसरे के साथ जीवन भर निभाने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के प्रतिनिधि भाजपा नेता रमेश अग्रवाल ने भावुक और प्रेरणादायी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा है।

छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण ने किया किसान सम्मेलन का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण रायपुर ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (हस्ट्ढ) कानपुर के सहयोग से बायोफ्यूल कॉम्प्लेक्स गोढ़ी (दुर्ग) में किसान सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गन्ना आधारित खेती में सफेद चुकंदर (शुगरबीट) को अंतरफसली के रूप में अपनाकर भूमि उपयोग दक्षता बढ़ाना, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना था। इस दौरान किसानों को शुगरबीट की खेती का प्रत्यक्ष भ्रमण कराया गया एवं फसल की खुदाई भी की गई, जिसमें शुगरबीट का औसत वजन लगभग 3.7 किलोग्राम पाया गया, जो इसकी सफल खेती की संभावनाओं को दर्शाता है।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने कहा कि गन्ना-शुगरबीट अंतरफसली खेती किसानों के लिए आय बढ़ाने का व्यवहारिक विकल्प है। इस तकनीक का सफल परीक्षण राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र में किया जा चुका है छत्तीसगढ़ में सीबीडीए के सहयोग से इसका प्रथम क्रियान्वयन हुआ है, जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।सीबीडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमित सरकार ने बताया कि नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के सहयोग से राज्य में पहली बार गन्ना एवं सफेद चुकंदर (शुगरबीट) की अंतरफसली खेती पर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। शुगरबीट लगभग 5ड्ड6 माह में तैयार हो जाती है और इसे गन्ने के साथ उगाकर अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

मोहारा में अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई

एमपी निर्मित 9 पेटी शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। राजनांदगांव पुलिस ने जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश निर्मित भारी मात्रा में शराब जब्त की है। डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र के मोहारा चौकी अंतर्गत की गई इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम मोहारा निवासी नंदकिशोर वर्मा उर्फ नीतू (छोटा कट्टी) कोटरीछापर रोड स्थित मुढिया नाला के पास भारी मात्रा में अवैध शराब जमा कर बिक्री की तैयारी कर रहा है।

सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से इलाके की घेराबंदी कीने अवैध शराब पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस टीम के पहुंचते ही आरोपी भागने लगे। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीन लोगों को मौके पर ही पकड़ लिया। मुख्य आरोपी नंदकिशोर वर्मा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।पूछताछ में पता चला कि फरार आरोपी नंदकिशोर ने स्वीफ्ट डिजायर कार के जरिए शराब मंगवाई थी। पुलिस ने मौके से मध्य प्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की की 9 पेटियां, कुल 450 पौवा (81 बल्क लीटर शराब), एक ओला ईवी स्कूटी जब्त की। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 10 हजार 750 रुपये बताई गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मोहारा निवासी देवव्रत वर्मा, रूवातला निवासी चुम्मन सिन्हा और मोहारा निवासी महेन्द्र वर्मा के रूप में हुई है। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा ×4(2) और ×6 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, फरार मुख्य आरोपी नंदकिशोर वर्मा का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। राजनांदगांव पुलिस ने बताया कि पिछले छह महीनों से जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह इस अवधि की 10वीं बड़ी कार्रवाई है।

गोंड़ समाज के आंदोलन से तीन घंटे जाम रहा पटेल चौक, आश्वासन के बाद लौटे

दुर्ग (विश्व परिवार)। दुर्ग में गुरुवार को केंद्रीय गोंड़ महासभा धमधागढ़ के बैनर तले आदिवासी समाज ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शन में 17 जिलों से करीब × हजार लोग शामिल हुए। दोपहर 4 बजे शुरू हुआ आंदोलन शाम 7 बजे तक चला। इस दौरान पटेल चौक और आसपास के मुख्य मार्गों पर लंबा जाम लगा रहा। शहर का ट्रैफिक प्रभावित हुआ और लोगों को वैकल्पिक रास्तों से गुजरना पड़ा।

प्रदर्शन का कारण केंद्रीय गोंड़ महासभा धमधागढ़ के प्रधान कार्यालय और कचना धुरवा देवालय में लगी तालाबंदी रहा। समाज के लोगों का आरोप था कि प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में भवन बंद कराया और निर्वाचित पदाधिकारियों को जिम्मेदारी नहीं सौंपी। समाज के अनुसार 12 अक्टूबर 2025 को हुए चुनाव में कमलेश ध्रुव अध्यक्ष चुने गए थे। बाद में चुनाव को लेकर विवाद

हुआ और मामला फर्म्स एवं सोसायटी तक पहुंचा। समाज ने दावा किया कि 8 मार्च 2026 की विशेष सभा में चुनाव परिणाम को वैध मानते हुए नई कार्यकारिणी को 20×0 तक मंजूरी दी गई थी।

इसके बावजूद भवन का कब्जा नहीं सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान समाज के नेताओं ने पूर्व पदाधिकारियों पर संस्था का हिसाब-किताब नहीं देने का आरोप लगाया। वहीं प्रशासन पर एक पक्ष की बात सुनने की बात कही गई।स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बाद में समाज के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर और एसपी से मुलाकात की। प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर भवन का ताला खोलने और उपयोग की अनुमति देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

एसडीएम उत्तम ध्रुव ने बताया कि केंद्रीय गोंड़ महासभा धमधागढ़ के निर्वाचन और समिति विवाद को लेकर मामला लंबित था। इसी कारण भवन को बंद रखा गया था। उन्होंने कहा कि समाज की ओर से भवन खोलने और उपयोग की मांग रखी गई थी, जिस पर विचार करने के बाद जिला प्रशासन ने भवन खोलने का निर्णय लिया है।

ताड़मेटला कांड में शहीद 76 जवानों के परिजनों को सरकार न्याय नहीं दिला पायी

रायपुर (विश्व परिवार)। ताड़मेटला कांड के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलने के लिए राज्य सरकार एवं जांच एजेंसियों को दोषी ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार एवं जांच एजेंसियों के नाकामी के चलते ताड़मेटला कांड में जवानों के शहादत के लिए जिम्मेदार कथित 7 आरोपी बरी हो गये। शहीदों के परिजनों को न्याय दिलाने में सरकार असफल साबित हो गई है। ताड़मेटला कांड में शामिल आरोपी ओयमी गंगा, मांडवी दुला, पोदयामि हिड़मा, ओयमी हिड़मा, कवासी बुधरा सहित 7 आरोपी थे, जिन्हें कोर्ट सबूत के अभाव में बरी कर दिया है। सरकार बताये कि यदि ये गुनाहगार नहीं तो असली गुनाहगार कौन है?

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की तत्कालीन सरकार ने निर्दोष आदिवासियों को बलि का बकरा बनाया था और मुख्य आरोपी को बचाया था। ताड़मेटला कांड में हमारे 76 जवान शहीद हुए थे, 75 जवान सीआरपीएफ के थे एक जवान राज्य पुलिस से। कांग्रेस ने पहले ही मांग की थी कि आरोपियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे। कांग्रेस के दबाव में कुछ निर्दोष आरोपियों को पकड़कर लीपापोती किया था। यह स्थिति झीरम एवं एडसमेटा में हुई सरकार आज तक वास्तविक आरोपियों को पकड़ नहीं पायी है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार की नीति समर्पित नक्सलियों के लिए लाल कारपेट बिछाना है, उन्हें सरकारी सुविधा देने समर्पित नक्सलियों के साथ भोजन करना है।

खुर्सीपार क्षेत्र के सामुदायिक शौचालयों का जोन आयुक्त ने किया निरीक्षण

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत आगामी सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए सामुदायिक सुलभ शौचालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शौचालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। जोन आयुक्त

अमरनाथ दुबे एवं कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा ने शौचालयों में पानी, बिजली एवं नियमित सफाई व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक संधारण कार्य तत्काल कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जोन आयुक्त ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा उन्हें सभी मूलभूत सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सके। इस अवसर पर सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनगणना 2027, प्रथम चरण में मकान सूचीकरण कार्य वार्डो में जारी

राजनांदगांव। जनगणना 2027 प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य निगम सीमाक्षेत्र में 1 मई 2026 से प्रारंभ हो गया। मकान सूचीकरण कार्य 337 ब्लाक में 56 सुपरवाईजर एवं 337 प्रगणको के द्वारा घर घर जाकर मोबाईल के एच.एल.ओ. एप के द्वारा 32 कालम में मकान की स्थिति, परिवार की जानकारी, उपलब्ध सुविधाए और परिवार में मौजुद परिसम्पत्तियो की जानकारी ली जा रही है। नगर जनगणना अधिकारी एवं निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा प्रतिदिन कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे है।

नगर निगम सीमांतर्गत वार्ड क्रमांक 20 सर्कल क्र. 20 के ब्लाक नं. 0085 में आज सबसे पहले मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण करने पर आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने प्रगणक श्रीमती चन्द्रवली साहू को बधाई दिये। उन्होने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य के महत्व को समझ श्रीमती साहू द्वारा जिम्मेदारी से निष्ठा पूर्वक कार्य कर अपने ब्लाक का मकान सूचीकरण कार्य पूर्ण किया गया।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
1st call

NIT NO:07/PWD/Zone-2/2026 RAIPUR DATED: 08/05/2026

Online bids are invited for the following of works up to Date 29/05/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate (Rupees in Lakh)	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion
1	190610	राजीव गांधी वार्ड क्र. 13, जोन क. 2. त्रिमूर्ति नगर, फाफाडीह स्थित दया भवन में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.00	15000.00	Class D & above	04 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** from 09/05/2026 10.30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

ZONE COMMISSIONER
ZONE-2
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./31167/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 08-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31167
वार्ड का नाम-38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715E00348** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT SHOBHANA GUPTA,ANJANA GUPTA ,RANJNA GUPTA PREETI GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINESH CHAND GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1.AVINASH AGRAWAL S/O LATE DHRUWNARAYAN AGRAWAL 2.ASHA AGRAWAL W/O LATE DHRUWNARAYAN AGRAWAL 3.DHVANI AGRAWAL W/O RAMCHANDRA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा **कालोनी खिलौरा, जिला रायपुर,** में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित भवन क्र. **एल.आई.जी -139 श्री रामा बी. सिंह पिता श्री भगवत सिंह निवासी:- म.नं.-221, ग्राम व पोस्ट जाम जिला-सिवनी (म.प्र.)** के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण **आदेश क्र. 377 दिनांक 13.12.2021** के माध्यम से नामांतरित है। नामांतरित आंबटी **श्री रामा बी. सिंह पिता श्री भगवत सिंह,** उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता (1) **श्रीमती जयति डागा पति श्री गोविंद डागा निवासी:- पाम रेसिडेंसी कटोरा तालाब रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.) (2) श्रीमती खुशबु पार्तनी पति श्री आनंद पार्तनी निवासी:- हाउस नं.-201, अशोका रतन, शंकर नगर रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./31160/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 08-05-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31160
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पाण्डे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **62** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR650C00569** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LOKESH CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE SHEKHAR CHANDRAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHITRAREKHA CHANDRAKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE SHEKHAR CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAHMATI PATRA AND DEATH CERTIFICATE** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शनिवार 09 मई 2026

मुख्यमंत्री कन्या विवाह के वैवाहिक समारोह में 100 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

शहनाइयो की गूंज और पुष्प वर्षा के बीच मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े व विधायक भूलन सिंह मरावी ने सुखमय दांपत्य जीवन का दिया आशीर्वाद

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के हाथ पीले करने की पवित्र भावना के साथ शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जिले में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 100 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन की मंगलमय यात्रा पर निकल पड़े। पूरे विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुए इस गरिमामय आयोजन में मंत्रोच्चार के बीच फेरे, सिंदूरदान एवं वरमाला की रस्में पूरी कराई गईं। समारोह स्थल पर शहनाइयों की गूंज, बैंड-बाजों की धुन एवं पुष्प वर्षा के बीच नवदंपत्तियों ने एक-दूसरे का जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सभी नवविवाहित जोड़ों को सुखमय एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विवाह जीवन का सबसे पवित्र संस्कार है, जो दो आत्माओं को सात जन्मों के बंधन में बांधता है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा इस वर्ष दो चरणों में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक इस कल्याणकारी योजना का लाभ पहुंच सके।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर महिला, सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की आधारशिला है।' उन्होंने कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूत करती हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं समाज के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विवाह के पश्चात पारिवारिक दायित्व बढ़ जाते हैं और स्वावलंबी महिलाएं इन जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन कर परिवार को सशक्त एवं सुदृढ़ बनाती हैं। उन्होंने नवदंपत्तियों से शासन की महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने की दिलाई शपथ- वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिए ष्वरदान स्वरूप पहलष् बताते हुए कहा कि यह योजना उन परिवारों के लिए बड़ा सहारा है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों का विवाह सम्मानजनक ढंग से नहीं कर पाते। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति विस्तार से जागरूक किया तथा सूरजपुर जिले को 'बाल विवाह मुक्त जिला' बनाने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर समारोह में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने हाथ उठाकर बाल विवाह रोकने तथा समाज में व्यापक जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ ली।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा शासन की योजनाओं का लाभ - **विधायक श्री मरावी**- विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान राज्य शासन 'अंत्योदय' की भावना के साथ कार्य कर रहा है तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अथक प्रयास निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जिससे बेटियों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वाभिमान को बढ़ावा मिलता है। यह योजना समाज में दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी एक सशक्त संदेश देती है।

नवदंपत्तियों के चेहरे पर खुशी, परिजनों की आंखें भर आईं:- सामूहिक विवाह समारोह में बंधन में बंधे नवदंपत्तियों के चेहरों पर खुशी एवं संतोष की चमक स्पष्ट दिखाई दी। शासन द्वारा आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में अपनी बेटियों को विदा करते समय कई परिजनों की आंखें भर आईं। नवदंपत्तियों एवं उनके परिजनों ने शासन-प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके सपनों को साकार किया है।

ये जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रहे उपस्थित:- कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखालाल राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, श्री मुरली मनोहर सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नवदंपत्तियों के परिजन तथा क्षेत्रीय जनसमुदाय उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय जिला प्रशासन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सुनिश्चित किया।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किए विज़न एआई से लैस नेक्स्ट-जेन मिनी एलईडी टीवी

गुरुग्राम: सैमसंग इस साल भारत में अपने 30 शानदार साल पूरे कर रहा है। इस मौके पर कंपनी ने अपनी नई मिनी एलईडी टीवी रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। ये टीवी ज्यादा चमकदार और बेहतरीन तस्वीर तथा एआई-पावर्ड फीचर्स के साथ होम एंटरटेनमेंट को नए सिरे से परिभाषित करते हैं। सैमसंग मिनी एलईडी को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाने के लिए डिजाइन किये हैं। 42,990 रुपये की शुरुआती कीमत से उपलब्ध सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी 43 इंच से लेकर 100 इंच तक के स्क्रीन साइज़ में आते हैं, जो हर तरह के ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। इनका मेटलस्ट्रीम डिज़ाइन विमान की बनावट से प्रेरित है, जो एक आकर्षक, अल्ट्रा-स्लिम बेज़ल वाली सिंगल-मेटल बॉडी के साथ किनारे से किनारे तक का शानदार व्यूइंग अनुभव देता है। उन्नत तकनीक, एआई फीचर्स और प्रीमियम डिज़ाइन के इस संयोजन के साथ सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी नेक्स्ट-जेन एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाते हैं। सैमसंग इंडिया के वाइस-प्रेसिडेंट, विज़ुअल डिस्प्ले बिजनेस, विप्लेश डांग ने कहा, सैमसंग लगातार 20 वर्षों से दुनिया का नंबर-1 टीवी ब्रांड है। हम अपने नए मिनी एलईडी टीवी के साथ प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहे हैं। यह लॉन्च उन्नत डिस्प्ले तकनीक को और सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तकनीक और एआई के संयोजन से हम एक बेहतरीन व्यूइंग अनुभव देने के लिए पूरी तरह जुटे हैं। हम नवाचार की सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि नेक्स्ट-जेन तकनीक के फायदे देश भर के अधिक से अधिक घरों तक पहुंचें।

सैमसंग गैलेक्सी M और F सीरीज़ पर 8 मई से मिलेंगे स्पेशल ऑफर

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया ने आज गैलेक्सी M17 सीरीज़ (M17 5G और M17e 5G), गैलेक्सी M36 5G, गैलेक्सी M56 5G, गैलेक्सी F70e 5G और गैलेक्सी F36 5G स्मार्टफोन्स पर 8 मई से स्पेशल कीमतों का ऐलान किया। ग्राहक इन डिवाइसेस को बेहतरीन कीमत पर खरीद सकते हैं और बेहतर पहुंच, रचनात्मकता एवं और प्रोडक्टिविटी का अनुभव ले सकते हैं। हर डिवाइस में हाई-रेज़ोल्यूशन कैमरा सिस्टम, मजबूत डिज़ाइन, एआई-पावर्ड टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट जैसी एडवांस्ड तकनीकें दी गई हैं।

गैलेक्सी रूसीरीज़- गैलेक्सी M17 सीरीज़, जो अपने प्राइस सेगमेंट में अमेज़न पर नंबर 1 बिकने वाला स्मार्टफोन है, इसमें गैलेक्सी M17 5G और M17e 5G स्मार्टफोन शामिल हैं। गैलेक्सी M17 5G में साफ और स्थिर फोटोग्राफी के लिए 50MP OIS ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, शानदार विज़ुअल्स के लिए ब्राइट और शानदार सुपर एमोलेड डिस्प्ले और अतिरिक्त मजबूती के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन दिया गया है। इसमें झटपट जानकारी के लिए गूगल सर्कल टू सर्च और रियल-टाइम विज़ुअल बातचीत के लिए जेमिनी लाइव भी शामिल है। गैलेक्सी M17e 5G में 120H5 तक रिफ्रेश रेट वाला स्मूथ डिस्प्ले, लंबे इस्तेमाल के लिए 6000mAh बैटरी, अच्छी फोटो के लिए 50MP ड्यूअल कैमरा सिस्टम, गूगल सर्कल टू सर्च, बेहतर सुरक्षा के लिए सैमसंग नॉक्स वॉल्ट, बेहतर प्राइवेसी के लिए ऑटो ब्लॉकर और लंबे समय की विश्वसनीयता के लिए छह ओएस अपग्रेड के साथ छह साल के सिक्योरिटी अपडेट दिए गए हैं।

कलर्स की प्रमुख अभिनेत्रियाँ प्यार और आभार के साथ मनाती हैं मदर्स डे

कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से जुड़ी निया शर्मा ने कहा, मेरी ताक़त सीधे मेरी मां से मिली है। मैंने उन्हें ज़िंदगी को अद्भुत हिम्मत और धैर्य के साथ संभालते देखा है और वही आत्मविश्वास आज मेरे अंदर है। लोग मेरी ऊर्जा देखते हैं और समझते हैं कि मेरे पीछे हमेशा एक ऐसी महिला रही है जिसने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मुझे हमेशा लगता है कि ज़िंदगी को खास बनाने के लिए किसी बड़ी चीज़ की ज़रूरत नहीं होती, बस अपने माता- पिता को साथ ले जाइए और हर पल मज़ेदार हो जाता है। मुझे अब भी हंसी आती है उस ट्रिप को याद करके जब हम उन्हें 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ' बस में खो बैठे थे और घंटों बाद वह छत पर बैठी पूरे शहर के वीडियो बना रही थीं जबकि हम घबराकर सबको अलर्ट कर रहे थे। यही तो उनकी खासियत है हर अफरा-तफरी को यादगार बना देना। इस साल तो और भी खास रहा क्योंकि मुझे उनके साथ 'लाफ्टर शेफ्स' में शूट करने का मौका मिला और हमने साथ मिलकर शानदार खाना बनाया। उन्हें मेरे काम की दुनिया में मेरे साथ देखना मेरे लिए सबकुछ था।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में कार्यशाला आयोजित

छात्र-छात्राओं ने ली रेड क्रॉस की शपथ, मानवता की सेवा का लिया संकल्प

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- विश्व रेड क्रॉस दिवस के पावन अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में एक प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मानवता की सेवा, रेड क्रॉस आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व एवं उसके मूल उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यशाला महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रभारी प्राचार्य श्री रंजीत कुमार सातपुते के कुशल मार्गदर्शन में तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं रेड क्रॉस समिति के संगठक श्री धीरेंद्र कुमार जायसवाल के सफल संचालन में संपन्न हुई।

रेड क्रॉस की स्थापना, उद्देश्य एवं महत्व पर हुई विस्तृत चर्चा:- कार्यशाला के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष रेड क्रॉस की स्थापना के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसके मूल उद्देश्यों एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता के बारे में सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने बताया कि रेड क्रॉस आंदोलन मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता एवं सार्वभौमिकता के सात मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है, जो विश्वभर में युद्ध, आपदा एवं संकट की घड़ी में पीड़ित मानवता की नि:स्वार्थ सेवा का पर्याय बन चुका है।

मानवता की सेवा में स्वयं को समर्पित करने का आह्वान:- कार्यशाला में वक्ताओं ने उपस्थितजनों से आह्वान किया कि वे इस पावन अवसर का उपयोग मानवता की सेवा में स्वयं को समर्पित करने के संकल्प के रूप में करें। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति की सहायता करते समय जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र अथवा किसी अन्य प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। तटस्थ रहकर निष्पक्ष भाव से 'पीड़ित को केवल पीड़ित समझकर' उसकी सेवा करने की भावना ही रेड क्रॉस का सच्चा संदेश है।

सभी को दिलाई गई रेड क्रॉस शपथ:- कार्यक्रम के दौरान संगठक श्री धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रेड क्रॉस की शपथ दिलाई। शपथ के माध्यम से सभी ने मानवता की सेवा, पीड़ितों की सहायता एवं समाज में करुणा, सहानुभूति तथा सेवा भावना के प्रसार का सामूहिक संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के दौरान महाविद्यालय परिसर में सेवा एवं समर्पण की भावना का सजीव वातावरण निर्मित हुआ।

छात्र-छात्राओं की रही उत्साहपूर्ण भागीदारी:- कार्यशाला में श्री सचिन मिंज, श्री रामनिवास पटेल, श्री अर्जुन प्रधान, श्री अदीप मिंज, श्री अखिलेश रवि, सुश्री लक्ष्मी साहू, श्री हरिशंकर ढहरिया सहित महाविद्यालय के अन्य कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए ऐसे आयोजनों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं युवा पीढ़ी में सेवा भावना एवं सामाजिक सरोकार के बीज बोने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

युवाओं में सेवा भावना के संचार का सशक्त माध्यम:- महाविद्यालय प्रशासन ने इस अवसर पर कहा कि रेड क्रॉस जैसे मानवीय आंदोलनों से जुड़कर युवा पीढ़ी न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना सीखती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी इन गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भविष्य में भी महाविद्यालय द्वारा रेड क्रॉस समिति के तत्वावधान में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं अन्य सेवा गतिविधियों का सतत आयोजन किया जाएगा।

डॉयल 112 सेवा का ट्रायल सूरजपुर जिले में एसएसपी सूरजपुर ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार)- पुलिस व्यवस्था को पुख्ता और तेज बनाने तथा पीड़ित/दुर्घटना के घायलों के लिए फैरन पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिले में डॉयल 112 की सेवाएं प्रारंभ करने के लिए सी-4 रायपुर से 1 नग डॉयल 112 का वाहन जिसका कोड विश्रामपुर-अरपा-1 है जो जिले में प्रारंभिक ट्रायल के लिए प्राप्त हुआ है।

डॉयल 112 के इस सेवा का शुभारंभ शुक्रवार, 08 मई 2026 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने हरी झण्डी दिखाकर डॉयल 112 वाहन को रवाना किया। यह वाहन विश्रामपुर क्षेत्र में 24 घंटे सातों दिन लगातार सक्रिय रहेगा। डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने बताया कि आगामी दिनों में सम्पूर्ण जिले के थानों के लिए डॉयल 112 की 12 वाहन और प्राप्त होगी जिससे सम्पूर्ण जिले में यह सेवा सुचारू रूप से संचालित होगा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी अनूप एक्का, रीना नीलम कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, जले के थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

विश्रामपुर पुलिस को मिली सफलता टू-ए आफिसर कालोनी में हुई चोरी का किया खुलासा चोर शिकंजे में

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बीते 7 अप्रैल को 2026 को टू-ए आफिसर कालोनी विश्रामपुर निवासी डॉक्टर शुभांगी वर्मा ने थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट कराया कि 6 अप्रैल को रात्रि इमरजेन्सी ड्यूटी थी शाम करीब 6.30 बजे अपने क्वाटर से दरवाजा लाक कर ड्यूटी गई थी रात्रि में ड्यूटी की और सुबह दिनांक 7 अप्रैल को डियूटी करके करीब 7.30 बजे वापस आई तो गेट खुला हुआ था कोई अज्ञात चोर 40 हजार रूपये नगदी को चोरी कर ले गया है। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध अपराध क्रमांक 98/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

थाना विश्रामपुर पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान अज्ञात चोर की लगातार पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से जानकारी मिली कि उक्त घटना दिनांक की शिवनन्दनपुर निवासी आदित्य साहनी रात्रि में घुमते फिरते दिखा था जिसके बाद से ही वह फरार है। इसी बीच 7 मई को जरिये मुखबीर पता चला की आदित्य साहनी एक आपाचे मोटर सायकल से बिश्रामपुर में घुम रहा है जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ पर उसने बताया कि दिनांक 06.अप्रैल के मध्य रात्रि करीब 12-1 बजे टू-ए आफिसर कालोनी क्वाटर नम्बर 39 के ताला को तोड कर घर के अन्दर घुस कर आलमारी में रखा पर्स में करीब 40 हजार रूपये को निकाल कर चोरी

करना स्वीकार किया और पैसा को खर्च करना बताया है। आरोपी के निशानदेही पर चोरी की रकम में से 7500 रुपये नगद व घटना में प्रयुक्त सुंगा राड को जप्त किया गया।

पूछताछ की कड़ी में उसने यह भी बताया कि दिनांक 22.04.2026 को सूरजपुर के ग्राम तिलसिवां मेनरोड से करीब 4.30 बजे घर में खड़ी एक सफेद रंग का एमहा एफजेडएस मोटर सायकल नम्बर सीजी 15 डी ई 6352 को चोरी कर के ले गया था जिसका पेट्रोल खत्म हो गया था उसे विश्रामपुर ओभर ब्रिज नर्सरी के पास मोटर सायकल को छोड कर भाग गया था। इसी प्रकार दिनांक 03.05.2026 को अम्बिकापुर गंगापुर कन्या परिसर से एक काला सफेद रंग का आपाचे मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 ईई 0274 नम्बर का मोटर सायकल को चोरी कर बिश्रामपुर में लाना और उपयोग करना बताया। मामले में आपाचे मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 ईई 0274 जप्त किया गया है।

मोटर सायकल चोरी का होने के अंदेश पर इस्तगासा क्रमांक 01/2026 धारा 35(1-5)/303(2) बीएनएसएस/बीएनएस तैयार किया गया है। उपरोक्त मामलों में आरोपी आदित्य साहनी पिता रमेश साहनी उम्र 19 वर्ष पता नगर पंचायत शिवनन्दनपुर, थाना विश्रामपुर को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर, एएसआई अशोक साहू, प्रधान आरक्षक जयप्रकाश तिवारी, निलेन्द्र द्विवेदी, सोहरलाल पावले, निर्मल सिंह, पुष्पा रवि आरक्षक खेलसाय राजवाडे, उमेश राजवाडे, योगेश्वर सिंह कंवर व अजय प्रताप राव विशेष रूप से सक्रिय रहे

संपादकीय

आम मरीजों के हक की रक्षा...

ये नहीं कहा जा सकता कि आवश्यक दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। फिर भी दवा कंपनियों ने 2013 से ही मूल्य नियंत्रण आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। बॉम्बे हाई कोर्ट के एक निर्णय के परिणामस्वरूप बहुत-सी जरूरी दवाएं मूल्य नियंत्रण की श्रेणी से बाहर हो जाएंगी। कोर्ट ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश- 2013 की भाषा में मौजूद खामियों का लाभ दवा कंपनियों को दिया है। उसने कहा कि मूल्य संबंधी विनियमों को उन दवाओं पर लागू नहीं किया जा सकता, जिनका स्पष्ट रूप से उपरोक्त आदेश में उल्लेख नहीं है। सरकार इसी आदेश के तहत आवश्यक औषधियों की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) बनाती है, जिनकी मनमाने ढंग से कीमत नहीं बढ़ाई जा सकती। विशेषज्ञों के मुताबिक इस व्यवस्था को नाकाम करने के लिए कंपनियां मूल दवा में मामूली हेरफेर कर उसके नए संस्करण बनाती रही हैं। ये दवाएं अलग नाम से बाजार में उतारी जाती हैं। अब तक 2013 के आदेश की भावना के अनुरूप सरकार ऐसी दवाओं को एनएलईएम में शामिल करती आई है। फिलहाल, इस सूची में 348 दवाएं हैं, जिनके सभी संस्करण (खुराक मात्रा और पॉवर के रूप में) उस सूची में शामिल हैं। अब ये सूरत बदल सकती है। हालांकि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में जाने का विकल्प है, लेकिन आशंका है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे नहीं दिया, तो बीच की अवधि में बहुत-सी दवाएं आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाएंगी। इसलिए जरूरी है कि सरकार भाषा की खामियों को दुरुस्त करते हुए 2013 के आदेश को नए सिरे जारी करे। यहां उल्लेखनीय है कि कंपनियों को एनएलईएम के तहत आने वाली दवाओं की कीमत साल में एक बार बढ़ाने का अधिकार 2013 के आदेश के तहत मिला हुआ है। गुजरे वर्ष के थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर वे इनके दाम बढ़ाती रही हैं। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसी वृद्धि का तर्क उन्हें पेश करना पड़ता है, जिस पर सरकार की नज़र रहती है। अत: ये नहीं कहा जा सकता कि इन दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। लेकिन दवा कंपनियों ने 2013 से ही उपरोक्त आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है।

नए निर्यात बाजारों में बढ़ता भारत

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत के कुल निर्यात का अधिकांश हिस्सा 10 प्रमुख उत्पादों जैसे- इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल, रत्न-आभूषण आदि से आता है। ऐसे में अब निर्यात के लिए बड़ी संख्या में नई वस्तुओं को शामिल करना आवश्यक है। उम्मीद करें कि भारत निर्यात क्षेत्र में आगे बढ़ेगा इस समय भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफ्टीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात के नए बाजारों में दस्तक देते हुए दिखाई दे रहा है। हाल ही में 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफ्टीए पर भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। दोनों देशों ने 22 दिसंबर 2025 को इस एफ्टीए के लिए वार्ता पूरी की थी। गौरतलब है कि भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए इस एफ्टीए के तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) सुनिश्चित किया गया है। भारत भी न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क समाप्त करेगा या कम करेगा। खास बात यह है कि इस एफ्टीए के तहत लगभग ऐसे कई उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है, जो भारत के किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों से जुड़े हुए हैं। इनमें दूध, दही, पनीर, भेड़ मांस, मट्ठा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी, प्याज जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस एफ्टीए से अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के एफ्डीआई की प्रतिबद्धता भी जताई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफ्टीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफ्टीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफ्टीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफ्टीए में शामिल नहीं हैं। यह एफ्टीए न्यूजीलैंड में भारतीय छात्रों पर संख्यात्मक सीमा को हटाता है। साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं मास्टर डिग्री धारकों के लिए तीन साल तक और डॉक्टरेट डिग्री वालों के लिए अध्ययन के बाद चार साल तक न्यूजीलैंड में काम करने का अवसर प्रदान करता है। इतना ही नहीं, भारत के कुशल पेशेवरों के लिए यह एफ्टीए एक नया अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग प्रदान करता है। इसका लाभ चिकित्सक, योग प्रशिक्षक, भारतीय शेफ और संगीत शिक्षक के साथ आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और निर्माण सहित उच्च मांग वाले क्षेत्रों के भारतीय पेशेवर ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए एफ्टीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही उम्मीद है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला और यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष एंटोनिया कास्टा की उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुए भारत-यूरोपीय संघ एफ्टीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। इस एफ्टीए से दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। वस्तुत: भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफ्टीए पर पिछले 18 वर्षों से वार्ता जारी रही थी। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत और अमरीका के बीच भी व्यापार समझौते की वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। इस वर्ष 7 फरवरी को भारत और अमरीका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) के फ्रेमवर्क के तहत अमरीका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया था। फिर अमरीका के उच्चतम न्यायालय ने 20 फरवरी को राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के देश विशेष पर जवाबी शुल्क लागू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के उपयोग का अधिकार रद्द कर दिया था। इसके बाद अमरीकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत का एक समान अधिभार लगाया था, जो जारी हैं। अब अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत बातचीत वार्ता आगे बढ़ाने हेतु अमरीका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में 21 से 23 अप्रैल तक चली 'सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चाओं' के बाद भारत और अमरीका के वार्ताकारों के बीच सकारात्मक प्रगति हुई है। उम्मीद है कि यह अंतरिम व्यापार समझौता भी इसी वर्ष 2026 में लागू हो सकेगा। इन सबके साथ-साथ अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफ्टीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं, ईरान संकट के बीच भारत निर्यात और कारोबार के लिए नए बाजारों में जमने की तैयारी में है। इसके लिए कनाडा, इजरायल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से काम हो रहा है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय दुनिया के विकसित और विकासशील देश तेजी से भारत के साथ कारोबार बढ़ाने के मद्देनजर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नि:संदेह ईरान और इजराइल-अमरीका संकट का भारत से निर्यात पर प्रतिकूल असर दिखाई देने लगा है। पिछले माह मार्च 2026 में भारत का वस्तु निर्यात 7.44 प्रतिशत घटकर 38.92 अरब डॉलर रह गया है। ऐसे में निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यात के नए बाजार और निर्यात विविधता की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। भारत के द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष रूप से चिन्हित किए गए 34 नए देशों के निर्यात बाजारों में अपनी निर्यात पैठ बनाने के हरसंभव उपाय करने होंगे। निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं वरन् निर्यात पर लगाए गए एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफ्टीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एफ्टीए के लिए जागरूकता बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने और सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वर्तमान में भारत से कुल निर्यात का अधिकांश भाग अमरीका, यूएई, ब्रिटेन, सऊदी अरब और चीन जैसे दस प्रमुख देशों पर निर्भर है। अतएव अब ऐसे देशों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, ताकि किसी एक या कुछ देशों में आर्थिक सुस्ती का सीधा असर भारत पर न पड़े। अब पारंपरिक बाजारों के अलावा उत्तर पूर्व एशिया और पूर्वी अफ्रीका जैसे नए उभरते क्षेत्रों तक निर्यात पहुंच तेजी से बढ़ाना होगी। निर्यात विविधीकरण पर भी ध्यान देना होगा। भारत के कुल निर्यात का अधिकांश हिस्सा 10 प्रमुख उत्पादों जैसे- इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल, रत्न-आभूषण आदि से आता है। ऐसे में अब निर्यात के लिए बड़ी संख्या में नई वस्तुओं को शामिल करना आवश्यक है। उम्मीद करें कि पश्चिम एशिया संकट और घटते वैश्विक निर्यात की चुनौतियों के बीच विभिन्न देशों के साथ भारत के एफ्टीए और द्विपक्षीय व्यापार समझौते शीघ्रतापूर्वक आकार लेते हुए दिखाई देंगे। उम्मीद करें कि सरकार एक अप्रैल से लागू केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित नए निर्यात प्रोत्साहनों से निर्यातक नए निर्यात बाजारों में कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई देंगे।

आलेख

ऑपरेशन सिंदूर: संकल्प,जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुन: परिभाषित किया

लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त)

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं है; यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थीं— इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु-क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा। इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा-पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व-निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित किया— इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल-प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गई—ये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। ऑपरेशन सिंदूर इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था। भारत की बहु-क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं है; यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है। ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य-निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया। इस अभियान ने संयुक्त कार्यक्षमता में परिपक्वता को प्रतिबिंबित किया—समन्वय से आगे बढ़कर सच्चे एकीकरण तक। नागरिक-सेना एकीकरण की भूमिका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर एक अकेला सैन्य अभियान नहीं था; यह एक पूरे राष्ट्र का प्रयास था। खुफिया एजेंसियों, तकनीकी संस्थाओं और नागरिक नेतृत्व ने सशस्त्र बलों के साथ समन्वय में काम किया। देशी तकनीकों—निगरानी प्रणालियों से लेकर सटीक हथियारों तक—ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आत्मनिर्भरता में सतत निवेश के लाभ को उजागर करती हैं। इस अभियान ने भारत की निर्णय-निर्माण संरचना की दक्षता भी प्रदर्शित की, जहां अंतर-एजेंसी समन्वय नौकरशाही निष्क्रियता से बाधित नहीं हुआ, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना से प्रेरित रहा। अभियान से पहले और अभियान के दौरान भारत की पहलों में रणनीतिक दूरदर्शिता झलकती थी। कूटनीतिक संवाद ने सुनिश्चित किया कि भारत की कार्रवाइयों को वैश्विक स्तर पर सही संदर्भ में समझा जाए—सटीक, आवश्यक और समानुपाती। दूसरी ओर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया एक अनुमानित मार्ग का पालन कर रही थी। सैन्य दृष्टि से, वह सुसंगत जवाब देने में संघर्ष करता रहा, जिसे क्षमता की कमी और आश्चर्य के तत्व दोनों ने सीमित किया। कूटनीतिक रूप से, उसने स्थिति को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का प्रयास किया, लेकिन उसे सीमित सफलता मिली। हालांकि, उसकी प्रतिक्रिया का सबसे स्पष्ट पहलू सूचना क्षेत्र में था। वास्तविक परिस्थितियों को छुपाने के प्रयास में गलत जानकारी की चालाकी से बौछार की गई। फिर भी, विश्वसनीयता और सुसंगत व्यवस्था आम तौर पर अनुपस्थित रहीं। वास्तविक समय पर जानकारी और वैश्विक निगरानी के युग में, ऐसी कहानियाँ जल्द ही बेनकाब हो जाती हैं।

हमला, घेराबंदी, जीत: ऑपरेशन सिंदूर और सिद्धांत जिसे भारत ने 88 घंटों में निर्मित किया गया.....

6-7 मई 2025 की रात को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया — यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 बेकसूर लोगों की जान चली गई थी, के जवाब में चलाया गया एक सुनियोजित और समयबद्ध सैन्य अभियान था। इसके बाद अगले 88 घंटों में जो कुछ हुआ, वह महज़ एक सैन्य हमला भर नहीं था, बल्कि यह भारत के नए और पूरी तरह से विकसित रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन था: एक ऐसा सिद्धांत, जिसे स्पष्ट उद्देश्य, तकनीकी आत्मनिर्भरता, राजनीतिक दृढ़ इच्छाशक्ति और पूरे राष्ट्र की एकजुटता से परिभाषित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के नियमों को फिर से लिखा और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आने वाले कई दशकों तक दक्षिण एशिया की सुरक्षा की दिशा तय करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार भारत ने एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी — और जीत हासिल की — जो असल में एक ही मोर्चे पर दो देशों की संयुक्त ताकत के रूप में सामने आया था। चीन ने खुद को इस मामले से अलग रखा, लेकिन उसने पाकिस्तान को सक्रिय उपग्रह खुफिया जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सहायता, साइबर सहायता और पीएल-15 जैसी दृष्टि-सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइलों सहित अग्रिम मोर्चे के सैन्य साजो-सामान भी उपलब्ध कराए। भारत ने इन दोनों की संयुक्त ताकत को परास्त किया। आधुनिक संघर्षों की एक प्रमुख विफलता — रूस-यूक्रेन युद्ध के पाँच साल लंबे संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के युद्ध क्षेत्र तक — यह रही है कि इनमें बाहर निकलने की कोई रणनीति नहीं होती। ऐसे अभियान, जिनका कोई निश्चित अंत न हो, अर्थव्यवस्थाओं को कमज़ोर करते हैं, जनता के मनोबल को गिराते हैं तथा न तो जीत दिलाते हैं और न ही शांति। इन क्षेत्रों में अमेरिका का पहले ही 27.68 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च हो चुका है और इसका कोई निश्चित अंत भी नज़र नहीं आ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर ने सोच-समझकर इस जाल से खुद को बचाया; उसने वह कर दिखाया जो बहुत कम आधुनिक सेनाएँ कर पाती हैं: पहली मिसाइल दागे जाने से पहले ही सफलता की परिभाषा तय कर लेना। भारत इस अभियान में अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह स्पष्ट था: आतंकी ढांचे और उसे पनाह देने वालों को खत्म करना, दुश्मन को ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान पहुंचाना और अपनी शर्तों पर बाहर निकल आना — जिसमें किसी भी तरफ़ आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पर्याप्त खुफिया जानकारी के आधार पर नौ लक्ष्य निर्धारित किये; इनमें से प्रत्येक को लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, और हिज़बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी इकोसिस्टम को बनाए रखने में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए चुना गया था। पहला हमला सिर्फ़ 23 मिनट में पूरा कर लिया गया। पूरा अभियान 88 घंटों के अंदर खत्म हो गया, इसके बाद भारत ने दुश्मन को अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया — यह युद्धविराम बातचीत से नहीं, बल्कि दुश्मन को और भी ज़्यादा और बड़ा नुकसान पहुंचाने की प्रदर्शित क्षमता के कारण हुआ। यह सिद्धांत — उद्देश्य के साथ प्रवेश करना, सटीकता के साथ कार्य करना और बिना किसी अतिरेक के बाहर निकलना — नियंत्रित युद्ध की एक ऐसी शैली है, जिसका प्रदर्शन आधुनिक सैन्य इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। आने वाले वर्षों में, इसका स्टाफ कॉलेजों में गहन अध्ययन किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के भौगोलिक दायरे ने पिछली सभी सीमाओं को तोड़ दिया। भारत ने अपने शुरुआती हमले सिर्फ़ पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि वह पाकिस्तान के मुख्य भूभाग पंजाब के भी काफ़ी अंदर तक पहुँच गया। सियालकोट और बहावलपुर में मौजूद ठिकानों पर—जिनमें से बहावलपुर भारतीय सीमा से 140 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर है—बेहद सटीक हमले किए गए। बाद में, रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस और सरगोधा में मौजूद परमाणु-वाहक बेस जैसे अहम सैन्य ठिकानों को भी भारत की प्रभावी मारक क्षमता के दायरे में ले आया गया। नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और वहाँ के सेना मुख्यालय रावलपिंडी के एकदम नजदीक है; जबकि सरगोधा में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को हवाई मार्ग से पहुँचाने वाले साजो-सामान मौजूद हैं। संदेश स्पष्ट था: कोई भी ठिकाना हमारी पहुँच से बाहर नहीं है। 100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें कुछ बड़े आतंकवादी भी थे: आईसी -814 अपहरण से जुड़ा यूसुफ़ अज़हर, अब्दुल मलिक रऊफ़ और पुलवामा हमले से जुड़ा मुदस्सिर अहमद। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अज़हर के परिवार के दस सदस्यों को बहावलपुर स्थित मुख्यालय में मार गिराया गया। इन हमलों ने पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों की कमान-व्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया।

आस्था-परंपरा के बीच सुरक्षा का सवाल

प्रो. सतपाल

हमें यह भी समझना होगा कि धार्मिक अनुष्ठानों का मूल उद्देश्य भय या शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि करुणा, सह-अस्तित्व और मानव कल्याण है। आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें एक ऐसा समाज दें, जहां वे अपनी संस्कृति पर गर्व कर सकें, लेकिन साथ ही सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण में जी सकें हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है। यह केवल एक उपाधि नहीं, बल्कि यहां के जनजीवन की आत्मा है। गांव-गांव में देवताओं की मान्यताएं, देव संस्कृति, देवी-देवताओं के रथ, वाद्य यंत्रों की धुन एवं लोकनृत्य, ये सब मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करते हैं, जहां सामूहिकता और सांस्कृतिक निरंतरता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। भुंडा, शांत, टाणा तथा नवनिर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा जैसे अनेकों अनुष्ठान हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखते हैं। किंतु इसी सांस्कृतिक वैभव के बीच कुछ ऐसी परंपराएं भी हैं, जो आज के बदलते सामाजिक संदर्भ में गंभीर प्रश्नों के घेरे में आ खड़ी हुई हैं। हाल ही में रोहड़ू क्षेत्र के कुलगांव में एक मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान घटी दुखद घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया। उत्सव के माहौल में, जहां हजारों लोग और विभिन्न क्षेत्रों के देवता एकत्रित हुए थे, वहीं देवलुओं द्वारा साथ लाए गए हथियार विशेष रूप से बंदूक से चली एक गोली ने एक 26 वर्षीय युवती की जान ले ली। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवहार पर गहरा सवाल खड़ा करती है। उस युवती की मृत्यु के साथ ही एक परिवार उजड़ गया। दो छोटे बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। एक पति ने अपनी जीवनसंगिनी खो दी। उस परिवार पर क्या बीत रही होगी, इसकी कल्पना मात्र से ही मन व्यथित हो उठता है। क्या उस मां का कोई दोष था? क्या उसकी गलती केवल इतनी थी कि वह एक धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनी। ये प्रश्न केवल उस परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज के सामने खड़े हैं। यहां यह समझना आवश्यक है कि परंपराएं किसी भी समाज की पहचान होती हैं, लेकिन हर परंपरा समय के साथ समीक्षा की अपेक्षा रखती है। जो रीतियां समाज में प्रेम, एकता और सहयोग को बढ़ावा देती हैं, वे निश्चित रूप से संरक्षित और प्रोत्साहित की जानी चाहिए। किंतु जो परंपराएं अनजाने में भी भय, हिंसा या जान-माल के नुकसान का कारण बनती हैं, उन्हें पुन: विचार के दायरे में लाना

आवश्यक है। हिमाचल के कई धार्मिक आयोजनों में हथियारों जैसे तलवार, खुखरी और बंदूक का प्रदर्शन एक पुरानी परंपरा का हिस्सा रहा है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो इनका संबंध सुरक्षा, शक्ति प्रदर्शन या किसी विशेष सांस्कृतिक प्रतीक से रहा होगा। संभव है कि अतीत में ये हथियार बाहरी आक्रमणों से रक्षा या सामुदायिक शक्ति के प्रदर्शन के लिए उपयोग में लाए जाते रहे हों। लेकिन आज, जब समाज कानून-व्यवस्था और आधुनिक प्रशासनिक तंत्र से संचालित होता है, तब इन हथियारों का खुलेआम प्रयोग क्या उचित है? विशेषकर बंदूक जैसे आधुनिक हथियार, जिनका उपयोग अत्यंत सावधानी और प्रशिक्षण के साथ किया जाना चाहिए, यदि भीड़-भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में बिना किसी नियंत्रण के लहराए जाएं, तो यह किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं हैं। ऐसे में यह केवल एक परंपरा नहीं रह जाती, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का मुद्दा बन जाती है। यह भी विचारणीय है कि वर्तमान समय में समाज पहले से ही अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, जिसमें नशाखोरी, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और सामाजिक असंतुलन जैसी समस्याएं युवाओं को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में धार्मिक आयोजनों के नाम पर हथियारों का प्रदर्शन कहीं न कहीं हिंसात्मक प्रवृत्तियों को सामान्य बनाने का कार्य तो नहीं कर रहा? क्या यह आने वाली पीढ़ी को गलत संदेश नहीं देता? यहां आयोजकों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, लेकिन इतनी बड़ी तादाद में अगर किसी व्यक्ति के पास बंदूक है तो आयोजकों के भी बस की बात नहीं। किसी व्यक्ति के मन में क्या चल रहा है, यह समझ पाना किसी व्यक्ति के हाथ की बात नहीं। यदि हथियारों का प्रदर्शन परंपरा का हिस्सा है भी, तो उसे नियंत्रित, प्रतीकात्मक और सुरक्षित तरीके से किया जाना चाहिए। इस तरह खुलेआम और अनियंत्रित रूप से प्रयोग करना कितना न्यायसंगत है। अब समय आ गया है कि समाज के बुद्धिजीवियों, देव समाज और नीतिकारों को इस विषय पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। परंपराओं का अंधानुकरण करने के बजाय, उनके मूल उद्देश्य और वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता पर विचार करना आवश्यक है। कई बार ऐसा होता है कि एक पीढ़ी का अंधविश्वास दूसरी पीढ़ी की स्वीकृति बन जाता है और तीसरी पीढ़ी के लिए वह एक स्थापित परंपरा बन जाती है। बिना यह सोचे कि वह सही है या नहीं, फिर भी समाज उसका अनुसरण करता है। आज आवश्यकता है तार्किक सोच और संवेदनशीलता की। हमें यह समझना होगा कि धर्म और आस्था का मूल उद्देश्य मानव कल्याण है, न कि किसी भी प्रकार का जोखिम या हानि।

उपवास आत्मा की शुद्धि और संयम का महापर्व

हर माह एक उपवास महा अभियान में लिया तप-संयम का संकल्प

औरंगाबाद, परतापुर। नगर में नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजित अहिंसा संस्कार पदयात्रा के प्रणेता, अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में हर माह एक उपवास महाअभियान एवं जैन मंगल महोत्सव का विराट आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व उपस्थिति ने पूरे क्षेत्र को धर्ममय बना दिया। विशाल धर्मसभा में आचार्यश्री के ओजस्वी एवं प्रेरणादायी प्रवचनों से प्रभावित होकर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हर माह एक उपवास करने का नियम ग्रहण किया, पूरा स्टेडियम नवकार महामंत्र, जयघोष और धर्म जयकारों से गुंजायमान हो उठा। आचार्य श्री ने कहा कि उपवास केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि आत्मा की

शुद्धि, मन की पवित्रता और संयम का महापर्व है।

आज का मानव भौतिक सुखों के पीछे भागते-भागते मानसिक अशांति से घिरता जा रहा है, जबकि तप, त्याग और साधना ही जीवन में वास्तविक शांति और आत्मिक आनंद प्रदान करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति महीने में केवल एक दिन भी धर्म और तप को समर्पित कर दे, तो समाज और परिवार दोनों में सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है। कार्यक्रम के अंतर्गत जन मंगल महोत्सव, मंत्र स्नान एवं जल यज्ञ जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन विश्व शांति, मानव कल्याण और जनमंगल की भावना के साथ सम्पन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ इन अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई। प्रवक्ता राहुल जैन ने बताया कि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज द्वारा आहूत हर मास एक उपवास महाभियान प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित किया जाता है, जिससे देश-विदेश के लगभग 12 करोड़ लोग जुड़ चुके हैं। यह अभियान केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और संस्कार जागरण का वैश्विक आंदोलन बन चुका है।

आयोजन में विशेष हीलिंग कल्पवृक्ष हीलिंग फाउंडेशन की प्रियंका दीदी शाह द्वारा आध्यात्मिक हीलिंग सत्र भी आयोजित किया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक अनुभूति करवाई। दिशी जैन के मधुर संगीत ने पूरा वातावरण भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम का संचालन नेमिनाथ नवयुवक मंडल अध्यक्ष चिराग दोसी ने किया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्म प्रभावना के इस महाअभियान को घर-घर तक पहुंचाने तथा समाज में तप, त्याग और संस्कारों की अलख जगाने का संकल्प लिया।

गायत्री नगर का श्री जगन्नाथ मंदिर भक्तिरस में सराबोर, 9 एवं 10 मई को होगा विराट अखंड हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित पावन श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में 9 एवं 10 मई 2026 को श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति से ओतप्रोत विराट अखंड हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। श्री जगन्नाथ सेवा समिति रायपुर द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति एवं जगन्नाथ सेवा समिति ने प्रदेशभर के धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन केवल

देश-प्रदेश की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों की मधुर प्रस्तुति से गूंजेगा पूरा परिसर

धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का महापर्व है। उन्होंने कहा कि हरिनाम संकीर्तन मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागृति का संचार करता है।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर हरे राम, हरे राम, राम-राम, हरे-हरेञ हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण हरे-हरे महामंत्र के अखंड संकीर्तन से निरंतर गुंजायमान रहेगा। संकीर्तन की मधुर स्वर लहरियां श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगी।

आयोजन की शुरुआत 8 मई 2026 को शाम 4ः30 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। पारंपरिक वेशभूषा एवं धार्मिक ध्वजों के साथ निकाली जाने वाली यह शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रहेगी।

इसके पश्चात 9 मई को दोपहर 12 बजे महामंत्र नाम उच्चारण एवं अखंड हरिनाम संकीर्तन प्रारंभ होगा। वहीं 10 मई, रविवार को पूर्णाहुति, विशेष बैठक तथा विशाल महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया जाएगा। पूर्णाहुति के उपरांत दोपहर 2 बजे श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों की बैठक भी आयोजित होगी। इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा की ख्यातिप्राप्त कीर्तन मंडलियां अपनी संगीतमयी प्रस्तुतियों से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

संयम रूपी बंधन से जीवन में आध्यात्मिक उन्नति होती हैः आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

इंदौर (विश्व परिवार)। बड़ के बालाजी चंद्रपुरी दिगंबर जैन मंदिर में समाधिस्थ आचार्य श्री विराग सागर जी की शिष्या गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ने आकर आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के दर्शन किए। गणिनी आर्यिका श्री विभा श्री माताजी ने उपदेश में बताया कि भगवान की दिव्य ध्वनि गुरु के बिना नहीं खीरी ,तब गौतम गणधर स्वामी ने भगवान की दिव्य देशना को श्रवण कर उसे शास्त्रों में लिपिबद्ध किया ।गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता है धर्म सभा में आचार्य श्री ने संबोधित कर बताइए जीवन में हर पल, हर श्वास ,हर क्षण समय यह संदेश दे रहा है जीवन क्षण भंगूर है। बचपन से पचपन में सभी अवस्था स्थाई नहीं होकर क्रमशः जन्म , बालक, किशोर , युवा अवस्था के बाद बुढ़ापा भी परिवर्तित होता हैं।इसलिए बहुमूल्य समय का महत्व है युवा अवस्था में लौकिक शिक्षा , संस्कारों से जीवन का निर्माण होता हैं।शिक्षा की सार्थकता यही हे कि समय के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग अच्छे कार्यों में करे।गुरु सानिध्य ओर संत समागम से जीवन की सही दिशा मिलती हैं।राजेश पंचोलिया एवं भागचंद चुड़ीवाल के अनुसार आचार्य श्री ने बताया कि पानी को रोक कर बांध बनाया जाता हैं इससे पानी ऊपर उठता है बांध से विकास होता हैं इसी प्रकार जीवन में संस्कार ,संयम रूपी बंधन से जीवन उन्नति को प्राप्त होता हैं।

गाय एक अनुसंधान को अंतरराष्ट्रीय शोध मंच पर मिली जगह

- मनोहर गौशाला खैरागढ़ के गौ आधारित कार्य अब वैश्विक शोध समुदाय तक पहुंचेंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला के गौ आधारित अनुसंधान एवं प्राकृतिक कृषि संबंधी कार्यों को अंतरराष्ट्रीय शोध मंच तक पहुंच मिली है। गौ विज्ञान, प्राकृतिक कृषि और भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर आधारित पुस्तक गाय एक अनुसंधान अब ResearchGate पर उपलब्ध है। इससे गौ आधारित अध्ययन एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े कार्य

वैश्विक शोध समुदाय तक पहुंच सकेंगे। डॉ. अखिल जैन ने बताया कि गौ सेवा केवल आस्था का विषय ही नहीं, बल्कि कृषि, पर्यावरण, स्वास्थ्य और ग्रामीण आत्मनिर्भरता से जुड़े अध्ययन एवं प्रयोगों का भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसी उद्देश्य से गौ आधारित उत्पादों, जैविक खेती और प्राकृतिक कृषि पर लंबे समय से कार्य एवं प्रयोग किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गौशाला द्वारा फसल अमृत, मनोहर ऑर्गेनिक गोल्ड, गोबर आधारित उत्पादों तथा प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण जैसे प्रयासों के माध्यम से किसानों और समाज को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुस्तक के रिसर्चगेट पर उपलब्ध होने को खैरागढ़ और छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

मनरेगा ने बदली जिंदगी, देवरी की माया बनीं आत्मनिर्भर

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत देवरी की श्रीमती माया वर्मा ने महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। 35 वर्षीय श्रीमती वर्मा पहले एक गृहिणी थीं, लेकिन अब वे मनरेगा के तहत मेट के रूप में कार्य कर रही हैं। इस कार्य से वे सशक्त हुई हैं और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई हैं। काम के दौरान उन्हें गाँव के मजदूरों और अन्य मेट साथियों का भी भरपूर सहयोग मिलता है। मनरेगा से मिलने वाली आय से श्रीमती वर्मा अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए किताबें और जरूरी सामग्री खुद खरीद रही हैं। उन्हें विश्वास है कि

एक दिन उनके बच्चे पढ़-लिखकर उनका नाम रौशन करेंगे। साथ ही वे घर की दैनिक जरूरतों को भी स्वयं पूरा कर रही हैं, जिससे उन्हें परिवार पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। श्रीमती वर्मा का कहना है कि इस योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने व अपने परिवार के भविष्य को बेहतर कर सकती हैं।

कलेक्टर ने आईपीएल मैच की तैयारियों का लिया जायजा

रायपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 10 एवं 13 मई को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैच की तैयारियों का जायजा लिया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निर्देश दिए कि स्टेडियम में आने वाले दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाले दर्शकों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त वॉलिंटियर तैनात किए जाएं। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।

21 लाख लेकर पंडित प्रदीप मिश्रा को कथा करने नहीं बुलाया, एफआईआर दर्ज

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा के आयोजन के नाम पर 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अंबागढ़ चौकी की भोलेनाथ सेवा समिति ने छुरिया ब्लॉक के हालेकोसा निवासी दिनेश साहू पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दिनेश साहू के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया। बताया गया है कि आरोपित दिनेश साहू वही व्यक्ति है, जो हर वर्ष अपने गृह ग्राम में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा आयोजित कराता रहा है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार दिनेश साहू ने दो किश्तों में नगद

राशि प्राप्त की और आयोजकों को कथा के लिए कथित रूप से झूठी तारीख दे दी। जब उससे रकम वापस मांगी गई तो वह मुकरने लगा।

समिति अध्यक्ष दीपचंद रजक ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा का आयोजन दिनेश साहू के माध्यम से होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद समिति के सदस्य उसके गांव पहुंचे और आयोजन को लेकर चर्चा की। दिनेश ने आयोजन के लिए नगद राशि देने को कहा। पहले पांच लाख और बाद में 16 लाख रुपये उसे दिए गए। उसने जल्द कथा की तारीख बताने का भरोसा दिलाया। कुछ दिनों बाद उसने 8 से 14 मई तक कथा आयोजन की तारीख बताई।

लेकिन बाद में जानकारी मिली कि उन दिनों पंडित प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम रांची में तय है। तब तक समिति द्वारा बैनर, पोस्टर और होर्डिंग लगवाए जा चुके थे और लोगों को आमंत्रित भी किया जा चुका था। इसी दौरान समिति को कथित धोखाधड़ी की जानकारी मिली।

राज्यपाल रमेन डेका से पर्यटन मंत्री ने की मुलाकात

- चित्रकोट में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर जोर

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार एवं पर्यटन विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल श्री डेका ने विशेष रूप से बस्तर स्थित चित्रकोट जलप्रपात में पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों पर बुजुर्गों एवं निशक्तजनों की

सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस दौरान चित्रकोट जलप्रपात क्षेत्र में रैंप निर्माण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि चित्रकोट जलप्रपात के आसपास सौंदर्यीकरण एवं पर्यटक सुविधाओं के विस्तार के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों को अधिक सुविधायुक्त एवं आकर्षक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सामाजिक समरसता, संस्कार और संवेदनशील शासन का स्वर्णिम उदाहरण हैः बोहरा

- सामूहिक विवाह में 40 जोड़ों ने की जीवन की नई शुरुआत, विधायक भावना बोहरा ने दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों की बेटियों के सम्मानपूर्वक वैवाहिक जीवन के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम मोहगांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में आज 40 जोड़ों ने अपने नवदाम्पत्य जीवन की शुरुआत की। इस अवसर पर कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं

दी और उनके परिवारजनों से मिलकर बधाई दी।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत प्रतीक है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संबल बनकर बेटियों के सम्मानजनक भविष्य की मजबूत नींव रख रही है। यह योजना बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रदेश सरकार की दूरदर्शी सोच और संकल्प का प्रमाण है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। यह योजना समाज के हर वर्ग को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर उपलब्ध कराने के साथ सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को भी सशक्त कर रही है। मैं सभी नवदंपत्तियों के सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना करती हूँ।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल आर्थिक सहयोग की योजना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति सरकार की संवेदनशील सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान हेतु निरंतर कार्य कर रही है। गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए बेटियों का विवाह कई बार आर्थिक चुनौती बन जाता है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना परिवारों के लिए सहारा बनकर सामने आती है और सामाजिक सहभागिता के साथ बेटियों के सम्मानपूर्वक विवाह को सुनिश्चित करती है। पुरे सामाजिक रीती-रिवाज के साथ विवाह की यह परंपरा अपने आप में एक मिसाल है। विधायक भावना बोहरा ने नवदंपत्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कारों का पवित्र मिलन होता है। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों के सुखद, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए कहा कि परिवार और समाज की मजबूती से ही राष्ट्र सशक्त बनता है। भावना बोहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत संवेदनशील और जनहितकारी पहल है। हमारी सरकार बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा की अप्रैल माह की मासिक बैठक वृंदावन हॉल में आयोजित हुई

रायपुर (विश्व परिवार)। ऋचा की नई मनोनीत अध्यक्ष चंद्रकांता अग्रवाल की किताब भावांजलि 2 का विमोचन भी ऋचा साहित्य संस्था के बैनर तले हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रसिद्ध व्यंग्यकार गिरिश पंकज थे, समीक्षक थे डॉ चितरंजन कर, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, लतिका भावे । सचिव मीना शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत में सबका अभिवादन कर अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, मां शांति यदु के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करवाया । मां वागेश्वरी की सुरीली वंदना प्रस्तुत की डॉ सरोज दुबे विधा ने। स्वागत की श्रृंखला में चंद्र कांता अग्रवाल ने शॉल व पुष्पगुच्छ से गिरीश पंकज जी का स्वागत किया, मंजु यदु ने लतिका भावे का स्वागत किया, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु का स्वागत चंद्र कला त्रिपाठी ने किया और डॉ चितरंजन कर का स्वागत दिलीप वरवंडकर ने किया।? संस्था के वरिष्ठ सदस्य ही नहीं वरन् वरिष्ठ

साहित्यकार व लेखक सुरेंद्र रावल जी का स्वागत हमारे विद्वतजन मंचासीन अतिथियों ने शाल और पुष्पगुच्छ से किया। ब्रिगेडियर प्रदीप यदु और मंजु यदु ने ऋचा की नव मनोनीत अध्यक्ष चंद्रकांता अग्रवाल का शाल और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। चंद्र कांता अग्रवाल ने बुके और उपहार से मीना शर्मा व सरोज दुबे का स्वागत किया। भावांजलि 2 जो धर्म-कर्म, कर्तव्य,तीज , त्योहार, देशप्रेम, मानवता से ओतप्रोत है का बेहद सटीक और बेबाकी से विश्लेषण कर लेखिका को उनकी कृति हेतु बधाइयां प्रेषित की गई। लतिका भावे, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, गिरीश पंकज, डॉ चितरंजन कर की समीक्षा से लेखिका अभिभूत हो उनका हृदय से आभार प्रकट किया। अब बारी थी आज के काव्य गोष्ठी की। शब्दों से गागर में सागर भरने वाले डॉ जे के डागर ने गोष्ठी का सफल संचालन कर सबको काव्यपाठ हेतु आमंत्रित किया समस्त साहित्यकारों ने अपनी विभिन्न विधाओं में रचनाएं सुनाकर श्रोताओं की तालियां बटोरी। काव्य धारा में गोता लगाने वाले लेखक थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, शनिवार 09 मई 2026

संक्षिप्त समाचार

अब बस्तर देगा हेल्दी कॉफी का विकल्प, छिंद बीजों से तैयार होगी नई पहचान

जगदलपुर (विश्व परिवार0। बस्तर के नैसर्गिक सौंदर्य और समृद्ध संसाधनों के बीच अब एक नई और सुगंधित क्रांति आकार ले रही है, जिसका श्रेय दंतेवाड़ा जिले के बचेली निवासी युवा उद्यमी विशाल हालदार को जाता है। बीकॉम और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की शिक्षा प्राप्त करने वाले विशाल ने अपनी जड़ों से जुड़े रहने और कुछ नया करने की चाह में छिंद (खजूर की एक स्थानीय प्रजाति) के उन बीजों से हर्बल कॉफी तैयार की है, जिन्हें अब तक बस्तर में पूरी तरह व्यर्थ समझा जाता था। इस अभिनव प्रयोग के पीछे विशाल का उद्देश्य न केवल बेकार पड़े प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करना है, बल्कि कॉफी के उन शौकीनों को एक स्वस्थ विकल्प प्रदान करना है जो स्वाद तो चाहते हैं लेकिन कैफीन के दुष्प्रभावों से बचना चाहते हैं। विशाल का यह सफर करीब दो वर्षों के गहन शोध और प्रयोगों का परिणाम है, जिसमें उन्होंने इंटरनेट की मदद और स्थानीय समझ का बखूबी तालमेल बिठाया है। विशाल की इस नवाचार को इनोवेशन महाकुंभ में प्रथम स्थान मिला, जिसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा सम्मानित किया गया।

इस हर्बल कॉफी की सबसे प्रभावशाली विशेषता इसका पूरी तरह से कैफीन मुक्त होना है, जबकि इसमें छिंद के प्राकृतिक गुणों के कारण प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। विशाल का मानना है कि अधिकांश लोग केवल मानसिक सक्रियता के लिए ही नहीं, बल्कि कॉफी के अनूठे स्वाद और उसकी आदत के कारण इसका सेवन करते हैं, और उनकी यह खोज इसी वर्ग को ध्यान में रखकर की गई है। इस नवाचार को तब बड़ी पहचान मिली जब विशाल ने शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ में अपना स्टॉल लगाया। वहाँ प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओपी चैधरी सहित विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और आम जनता ने इस कॉफी का स्वाद चखा और इसकी खूब सराहना की। विशाल केवल एक उत्पाद बनाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के यूथ अप फाउंडेशन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि उनके इस आइडिया से बस्तर के ग्रामीणों को रोजगार मिले और गांवों और जंगल से मिलने वाले छिंद के बीजों से उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके। हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी भी टेस्टिंग और विकास के दौर में है और इसका आधिकारिक लॉन्च होना बाकी है, लेकिन विशाल के इस अटूट प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि यदि दृष्टि स्पष्ट हो तो स्थानीय वेस्ट को भी वैश्विक स्तर के बेस्ट उत्पाद में बदला जा सकता है। आने वाले समय में यह हर्बल कॉफी न केवल बस्तर की पहचान बन सकती है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक दुनिया के लिए एक अनूठा उपहार भी साबित हो सकती है।

खुले बिजली तार की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

बाइक सवार के गले में उलझा हाई वोल्टेज तार, युवक और बाइक जलकर खाक

दंशपुर बांध के पास हादसा, करंट के डर से देर तक पास नहीं जा सके ग्रामीण

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय गरियाबंद से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र दशपुर बांध मार्ग पर सोमवार सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसे में युवक की मौत हो गई। सड़क किनारे खंभे से टूटकर नीचे झूल रहे खुले बिजली तार की चपेट में आने से बाइक सवार युवक जिंदा जल गया। हादसा इतना भयावह था कि युवक का शव और उसकी बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान यशवंत कुमार ध्रुव (पिता ङ्क रतिराम ध्रुव) निवासी दशपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि यशवंत सुबह तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जंगल की ओर जा रहा था। इसी दौरान दसपुर बांध के पास सड़क पर खंभे से टूटकर लटक रहा बिजली का तार अचानक उसकी बाइक से टकरा गया और गले में उलझ गया। कुछ ही सेकंड में तेज करंट ने युवक को अपनी चपेट में ले लिया।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार तार में तेज करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसके कारण युवक को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बाइक में भी आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटों ने युवक और वाहन दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर मौजूद लोग चाहकर भी युवक की मदद नहीं कर सके, क्योंकि घटना के आसपास क्षेत्र में करंट फैलने का खतरा बना हुआ था। ग्रामीण काफी देर तक दूर खड़े होकर बिजली विभाग और प्रशासन को सूचना देते रहे।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि टूटे तार की समय पर मरम्मत कर दी जाती तो एक युवक की जान बच सकती थी। लोगों ने दोषियों के खिलाफकार्रवाई और मृतक परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सूचना मिलने पर पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद बिजली सप्लाई बंद कर शव को कब्जे में लिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक यशवंत की असमय मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर महारानी अस्पताल में महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बड़ी संख्या में महिलाओं ने उठाया लाभ

जगदलपुर/विश्व परिवार। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आज जगदलपुर के ऐतिहासिक महारानी अस्पताल में महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की एक नई मिसाल देखने को मिली। महामहिम राज्यपाल के निर्देशों के परिपालन में और जिला प्रशासन बस्तर के कुशल मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय द्वारा एक विशेष महिला स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें गंभीर बीमारियों के प्रति न केवल जागरूक करना था, बल्कि उनके द्वार तक प्रारंभिक जांच और विशेषज्ञ उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना भी रहा।

शिविर के दौरान अस्पताल परिसर में चिकित्सा जगत की आधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे नजर आईं, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में महिलाओं की कैंसर स्क्रीनिंग, स्त्री रोग संबंधी जटिल परीक्षण और सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने उपस्थित महिलाओं को परामर्श देते हुए इस बात पर विशेष बल दिया कि बीमारियों का समय पर पता चलना ही उनके सफल उपचार की पहली सीढ़ी है। कार्यक्रम में सांसद श्री महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक श्री किरण देव, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक श्री दिनेश कश्यप, महापौर श्री संजय पांडेय एवं नगर निगम की स्वास्थ्य समिति के सभापति श्री लक्ष्मण झा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन सभी अतिथियों ने जिला चिकित्सालय के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण ही एक स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज का आधार है।

इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अभियान के सफल संचालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक और सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद सहित अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी इस बात का प्रमाण रही कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना का विस्तार हो रहा है। कार्यक्रम के समापन पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह विश्वास दिलाया गया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष शिविरों का आयोजन सतत रूप से जारी रखा जाएगा, ताकि बस्तर की हर महिला को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें।

बधियाकरण से आवारा कुत्तों की संख्या में होगी कमी- संजय पांडेय

नगर निगम शीघ्र शुरू करेगा आवारा कुत्तों का बधियाकरण अभियान

एनीमल बर्थ कंट्रोल(एबीसी) योजना के तहत शहर में चलेगा विशेष अभियान

आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर अब लगेगा नियंत्रण

जगदलपुर/विश्व परिवार। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन द्वारा एनीमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) योजना के तहत विशेष बधियाकरण अभियान की शुरुआत शीघ्र की जाएगी। जिसके तहत शहर के समस्त 48 वार्डों में आवारा कुत्तों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उनका बधियाकरण किया जाएगा। इसका निरीक्षण करने महापौर संजय पांडेय पूरे टीम के साथ कंगोली स्थित सर्व सुविधायुक्त एबीसी सेंटर पहुंचे।

नगर निगम प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण कार्य के संचालन की जिम्मेदारी चंडीगढ़ की विशेषज्ञ संस्था स्नेह एनीमल वेलफेयर सोसायटी को सौंपी है। एजेंसी की विशेषज्ञ टीम नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को चरणबद्ध तरीके से पूरा करेगी। इसके लिए सर्वप्रथम एक टीम गठित की गई है। जिसके नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज को बनाया गया है। इसके अलावा कमेटी में हेमंत श्रीवास, डा गीतिका ध्रुव, डॉ अजय बनिक, लुप्तेश जगत को रखा गया है। नगर निगम द्वारा इस अभियान को व्यवस्थित एवं बिना किसी गतिरोध के संचालित करने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारिया की गई हैं। अभियान की नियमित मॉनिटरिंग निगम के अधिकारी करेंगे। वहीं अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए 10 कर्मचारियों की विशेष टीम तैनात की गई है, जो आवारा कुत्तों को सुरक्षित ढंग से पकड़ने, सेंटर तक पहुंचाने तथा उपचार उपरांत उन्हें वापस पकड़े गये स्थान पर छोड़ने का कार्य करेगी। मालूम हो कि बीते कुछ समय से जगदलपुर शहर में आवारा कुत्तों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसके चलते नागरिकों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा समाधान के रूप में बधियाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान के संचालन के लिए कंगोली डंपिंग यार्ड के समीप विशेष सेंटर तैयार किया गया है जहां कुत्तों की बधीयाकरण, उपचार एवं देखरेख की व्यवस्था की गई है। यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों, प्रशिक्षित कर्मचारियों तथा शहर में आवारा कुत्तों के उत्थान के लिए कार्य कर रहे एनिमल वेलफेयर सोसायटी (एनजीओ) की निगरानी में पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता से संपन्न होगी। बधियाकरणके बाद कुत्तों को कुछ दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा और स्वास्थ्य सामान्य होने पर उन्हें पुन: उनके क्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभियान पूरी तरह पशु संरक्षण एवं पशु कल्याण मानकों एवं सुरक्षा नियमों के अनुरूप संचालित किया जाएगा ताकि किसी भी पशु को अनावश्यक परेशानी न हो। नगर निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे आवारा कुत्तों की जानकारी निदान टोल फ्री नं 1100 एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मोबाइल नंबर 9425266016 पर एबीसी सेंटर को दे सकते है।

बफर जंगलों में मौत का साया: तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान दो ग्रामीणों की जान गई

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व ने जारी किया हाई अलर्ट, ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

गरियाबंद (विश्व परिवार)। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के बफर वन क्षेत्रों में लघु वनोपज संग्रहण के दौरान बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। हाल ही में तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान भालू के हमले में दो ग्रामीणों की दर्दनाक मौत के बाद वन विभाग ने हाई अलर्ट जारी करते हुए ग्रामीणों से जंगलों में प्रवेश के समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

वन विभाग के अनुसार ग्रीष्मकाल में जल स्रोतों के आसपास भालू, हाथी और बाघ जैसे वन्यजीवों की गतिविधियां तेजी से बढ़ जाती हैं। ऐसे में तेंदूपत्ता, महुआ, चार, जलाऊ लकड़ी एवं अन्य लघु वनोपज संग्रहण के लिए जंगल जाने वाले ग्रामीणों को अत्यधिक सतर्क रहने की जरूरत है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां हाल के दिनों में वनाग्नि की घटनाएं अधिक हुई हैं।

कोर क्षेत्र में घुसे ग्रामीण की भालू हमले में मौत-वन विभाग ने बताया कि तौरेंगा बफर क्षेत्र का एक ग्रामीण कोर क्षेत्र में घुसकर तेंदूपत्ता तोड़ रहा था, तभी उसका सामना भालू से हो गया। हिंसक द्वंद्व में ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। इसी तरह ग्राम आमामोरा की एक बुजुर्ग महिला जंगल में लापता हो गई थी, लेकिन परिजनों और ग्रामीणों ने समय रहते वन विभाग या पुलिस को सूचना नहीं दी।

बाद में महिला की तलाश के दौरान भालू हमले के संकेत मिले। गंभीर रूप से घायल महिला को रायपुर के मेकाहारा और डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सर्जरी के बाद उसकी मौत हो गई। वन अमला पूरे समय परिजनों के साथ मौजूद रहा। दोनों मामलों में तत्काल सहायता राशि परिजनों को प्रदान की गई है।

आग से बढ़ रहा वन्यजीवों का आक्रामक व्यवहार- वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जंगलों में आग लगाने की

घटनाओं से वन्यजीवों का स्वभाव अधिक आक्रामक हो रहा है। गौरतलब है कि दोनों जनहानि की घटनाएं उन्हीं क्षेत्रों—तौरेंगा और कुल्हाड़ीघाट—में हुईं जहां वनाग्नि की घटनाएं सबसे ज्यादा दर्ज की गई हैं।

वन विभाग ने अब तक जंगलों में आग लगाने के आरोप में 23 लोगों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीणों के लिए जारी की गई सख्त एडवाइजरी

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि—

बफर वन क्षेत्रों में कभी अकेले प्रवेश न करें

कोर क्षेत्र में वनोपज संग्रहण पूरी तरह बंद रखें

सुबह, शाम और रात के समय जंगल जाने से बचें

चलते समय लगातार आवाज करते रहें ताकि वन्यजीव पहले ही दूर हट सकें

हाथियों के झुंड, भालू के बच्चों और बाघ की गतिविधि वाले क्षेत्रों से दूर रहें

वन्यजीव दिखने पर तुरंत वन अमले को सूचना दें

बुजुर्गों और बच्चों को घने जंगलों में न भेजें

जंगलों में आग बिल्कुल न लगाएं

ड्रोन निगरानी, एलीफेंट अलर्ट ऐप और रैपिड रिस्पॉन्स टीम सक्रिय- मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन लगातार आधुनिक तकनीक और नवाचारों का सहारा ले रहा है।

वन विभाग द्वारा अभिनव एलीफेंट ट्रैकिंग एवं अलर्ट ऐप संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से हाथियों की गतिविधियों की अग्रिम सूचना ग्रामीणों तक पहुंचाई जाती है। विभाग का दावा है कि पिछले तीन वर्षों में हाथी-मानव संघर्ष में केवल दो जनहानि हुई है।

इसके अलावा—

जंगलों में सोलर पंप लगाकर तालाबों में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है

छोटे जल स्रोत विकसित किए जा रहे हैं ताकि वन्यजीव जंगल के भीतर ही रहें

ड्रोन से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है

रैपिड रिस्पॉन्स टीम और वन अमला लगातार गश्त कर रहा है

ग्रामीण जागरूकता अभियान तेज किए गए हैं

सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता

वन विभाग ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि जंगलों में प्रवेश करते समय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और वन विभाग के साथ सहयोग करें। विभाग का कहना है कि मानव जीवन की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण केवल सामूहिक जागरूकता और सहभागिता से ही संभव है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 09 मई 2026

पीएम जनमन योजनाः अब सरोधा बांध के पीछे मंडलाकोना तक पहुंची पक्की सड़क

■ सुगम हुआ आवागमन, पर्यटन को मिल रहा बढ़ावा

कवर्धा (विश्व परिवार)। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र में बसे ग्राम मंडलाकोना के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित नई सड़क अब केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि जनजीवन में बदलाव का आधार बन रही है। सरोधा बांध के पीछे स्थित इस गांव तक पहले पहुंचना कठिन था। बरसात के दिनों में कच्चे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते ग्रामीणों को मुख्य मार्ग से लगभग काट देते थे। स्कूल जाने वाले बच्चों, इलाज के लिए जाने वाले मरीजों और दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने वाले लोगों को लंबे समय तक परेशानी झेलनी पड़ती थी।

लेकिन अब तस्वीर बदली हुई है।प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) विभाग द्वारा लगभग 2 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत से सरोधा मेन रोड से मंडलाकोना

तक 4 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है। इस निर्माण से वनांचल क्षेत्र को बारहमासी सुगम संपर्क उपलब्ध हुआ है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना विशेष रूप से दूरस्थ, पहाड़ी और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों वाले क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने पर केंद्रित है। ऐसे क्षेत्रों में सड़क निर्माण का सीधा असर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक पहुंच पर पड़ता है। मंडलाकोर्ना में भी इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों को अब बाजार, अस्पताल और शासकीय सेवाओं तक पहुंचने में कम समय लग रहा है।

सड़क बनने से स्कूली बच्चों की नियमित उपस्थिति में सुविधा होगी। गर्भवती महिलाओं और मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में अब पहले जैसी दिक्कत नहीं होगी। किसानों को अपनी उपज परिवहन करने के लिए बेहतर मार्ग मिला है, जिससे लागत और समय दोनों में कमी आएगी। दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता भी अब अधिक सुगम हुई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार जारी है। जनमन योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ने का काम तेज हुआ है, जिससे विकास योजनाओं की पहुंच भी बेहतर हुई है।

मंडलाकोना तक बनी यह सड़क पर्यटन गतिविधियों के लिए भी नई संभावनाएं लेकर आई है। सरोधा बांध के पीछे का प्राकृतिक क्षेत्र तक सुगमता से पहुंचा जा सकेगा। गांव के निवासी श्री खेलावन ने बताया कि पहले खराब रास्तों के कारण गांव तक पहुंचने में काफी समय लगता था। बरसात में स्थिति और कठिन हो जाती थी। अब पक्की सड़क बनने से आवागमन आसान हुआ है और लोगों को राहत मिली है।

पीएमजीएसवाई विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

समाधान शिविर में दिखी सुशासन की प्रतिबद्धता, विधायक भावना बोहरा ने किया समस्याओं का त्वरित निराकरण

सीएम साय के नेतृत्व में सुशासन सरकार जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैः विधायक भावना बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के मार्गदर्शन में राज्य में सुशासन तिहार -2026 का आयोजन किया गया है जिसके अंतर्गत 1 मई से 30 जून तक समाधान शिविर का आयोजन किया गया है जहाँ जनप्रतिनिधियों द्वारा जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के साथ ही छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से पहुँचाया जाएगा। यह अभियान शासन की पारदर्शिता, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर आज पंडरिया नगर में सिशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विधायक भावना बोहरा जी ने जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं से अवगत हुईं और

उपस्थित अधिकारीयों को तत्काल उनके निराकरण करने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों से मुलाकात कर उनके अनुभवों और उन योजनाओं से उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन के बारे में जाना तथा उन्हें प्रशस्ति पत्र व योजनाओं के तहत मिलने वाली सामग्रियों का वितरण कर विभागीय व स्वसहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में सुशासन सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। सुशासन तिहार 2026 के माध्यम से प्रशासन अब सीधे जनता के द्वार पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने, उसका निराकरण करने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए पूर्ण पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है। यह आयोजन प्रशासन और जनता के बीच सीधे संवाद का एक अहम मंच है, जिससे विकास कार्यों में गति और योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार लगातार सुशासन की स्थापना की दिशा में काम कर रही है। इस तिहार के माध्यम से सभी स्तरों पर जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से करते हुए शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। भाजपा सरकार का मूल उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, सेवा और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा समाधान शिविर इसी सोच का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा में लगातार विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षा में मैक की दो रेंजर्स की शानदार उपलब्धि, हुए उत्तीर्ण

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 28 सितंबर 2024 को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा पूरे भारत में राष्ट्रपति पुरस्कार हेतु ऑनलाइन सीबीटी परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें भारत से लगभग 1578 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जिसमें मैक छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण कर अपना स्थान सुनिश्चित किया। महाविद्यालय की रेंजर तोषी यादव एवं रेंजर अंचिता मुखर्जी ने राष्ट्रपति पुरस्कार परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता अर्जित की और अपनी उल्लेखनीय उपलब्धि से महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के चेयरमेन श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल, सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. जैस्मिन जोशी, उप-प्राचार्य डॉ. श्वेता तिवारी एवं प्रशासक सुश्री शिवांगी मिश्रा ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर दोनों छात्राओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। साथ ही, उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इससे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। साथ ही मैक परिवार, रोवर एवं रेंजर टीम की ओर से दोनों प्रतिभाशाली रेंजर्स को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। पूर्व में मैक रोवर क्रू एवं रेंजर टीम के चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल जी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा यह प्रतिष्ठित सम्मान तीन बार प्रदान किया जा चुका है। जिसमें दो बार पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी एवं एक बार पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से प्राप्त हुआ है।

संकरी शिविर में 664 आवेदनों का मौके पर निराकरण

रायपुर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड अंतर्गत संकरी ग्राम पंचायत में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर रहे हैं। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कुल 877 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 664 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। शिविर में मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम कार्ड एवं नवीनीकरण, लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं से संबंधित सेवाएं प्रदान की गईं।

रेखा यादव बनीं मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष

रायपुर(विश्व परिवार)। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर

राज्य शासन द्वारा श्रीमती रेखा यादव की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी आदेश के अनुसार, मध्य प्रदेश शासन ने मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग अधिनियम 1995 की धारा 3(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह नियुक्ति की है। अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि श्रीमती रेखा यादव का कार्यकाल आदेश जारी होने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक प्रभावशील रहेगा। आदेश महिला एवं बाल विकास विभाग की उप सचिव लता शरणागत द्वारा जारी किया गया है। श्रीमती रेखा यादव की नियुक्ति पर महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

कथित सुशासन की पोल खुल रही तो अधिकारियों को धमकाया जा रहा:बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। तथाकथित सुशासन असली पोल सुशासन त्यौहार में खुल रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मंत्री, विधायक, सांसद अब अधिकारियों को धमकाने, चमकाने पर उतर आये है। ढाई साल के सरकार जनता से दूर हो चुकी है। सुशासन त्यौहार के नाम पर जब जनता के बीच जा रहे तब जनाक्रोश को दबाने अधिकारियों पर दोषारोपण कर रहे है। मंत्री दयालदास बघेल मंच से शराब तस्करी के लिए पुलिस को दोषी ठहरा रहे है, तो विधायक रोहित साहू पटवारी को धमका रहे है, सांसद भोजराज नाग अधिकारी को निपटाने की धमकी दे रहे है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय छत्तीसगढ़ की 1 करोड़ महिलाओं से महतारी वंदन का फार्म भरवाये, 18 लाख पीएम आवास देने का फर्जी दावा किये, 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का झूठा वादा किये, अब उस वादाखिलाफी से ध्यान भटकाने सुशासन तिहार के नाम पर एक बार फिर आवेदन जमा किये जा रहे है, सरकार का फोकस समस्या के निराकरण में नहीं है। पेयजल व्यवस्था बदहाल है, बूंद-बूंद पानी के लिए जनता तरस रही है, मनरेगा के श्रमिक काम के इंतजार में खाली बैठे हैं, शिक्षकों की भर्ती रोक दी गई है, अस्पतालों में जांच, इलाज़, दवा का अभाव है और यह सरकार जन सरोकार से आंख मूंदकर सुशासन तिहार मना रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सुशासन का दंभ भरने वाली साय सरकार के राज में आम आदमी छोटे-छोटे काम के लिये सरकारी दफ्तरों का चक्कर काटने को मजबूर है। पटवारी कार्यालय से लेकर तहसील दफ्तरों में लोगों के नामांतरण, फौती, त्रुटि सुधार के लाखों आवेदन लंबित है, लोगों के काम नहीं हो रहे, आम आदमी सरकारी दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर है। बेहद दुर्भाग्यजनक है कि लाखों लोगों को सरकार के पास सड़क, नाली, बिजली, पानी जैसे रोजमर्रा के कामों के लिये आवेदन देने सरकार के सुशासन तिहार का इंतजार करना पड़ता है।

निगम आयुक्त ने ली बैंकर्स की विशेष समीक्षा बैठक

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा आज निगम कार्यालय में शहर के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों एवं संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र शासन की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस अवसर पर बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

बैठक के दौरान आयुक्त श्री अग्रवाल ने बैंकर्स से कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों, रेहड़ी-पटरी एवं फुटपाथ व्यवसाय करने वाले हितग्राहियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, गायत्री मंदिर में 21 जोड़े ने लिये सात फेरे

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। महिला एव बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनांतर्गत शुक्रवार को गायत्री मंदिर बलौदाबाजार में 21 जोड़े का सामूहिक विवाह वैदिक मंत्रोच्चार और सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में नव विवाहित जोड़ें को परिधान सामग्री एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श आकांक्षा गोलू जायसवाल ने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समानता और सहयोग की भावना को प्रबल करते है। इससे न केवल फिजूलखर्ची और सामाजिक कुरीतियों पर लगाम लगती है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह पूरे सम्मान और गरिमा के साथ संपन्न होता है।

टाटा एआईजी ने छत्तीसगढ़ में एमएसएमई जोखिम सुरक्षा को किया मजबूत, 8500 से अधिक पॉलिसियों के साथ दर्ज की शानदार वृद्धि

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत की एक अग्रणी जनरल इन्शुरन्स कंपनी, टाटा एआईजी जनरल इन्शुरन्स कंपनी ने छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कमर कस ली है। रायपुर, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, छत्तीसगढ़ के एमएसएमई क्षेत्र के लिए जोखिम सुरक्षा को मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

छत्तीसगढ़ में एमएसएमई क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है; यहाँ एग्री-स्टोरेज इकाइयों, राइस मिलों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे विविध क्षेत्रों में करीब 13.5 लाख उद्यम मौजूद हैं। इसी आर्थिक प्रगति का परिणाम है कि

राज्य में अब जीएसटी करदाताओं की संख्या 1.5 लाख के आंकड़े को छू रही है।

टाटा एआईजी ने छत्तीसगढ़ में 8,500 से अधिक एसएमई पॉलिसियां जारी की हैं, जिसमें पिछले वर्ष 25त्न से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 में भारत के एमएसएमई क्षेत्र में 1,400 करोड़ के प्रीमियम का ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया है, जिसमें छत्तीसगढ़ एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरा है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, जलवायु परिवर्तन और इलाज के बढ़ते खर्चों की वजह से आग लगने और कर्मचारियों की सेहत से जुड़े जोखिम बढ़ गए हैं। इन खतरों को देखते हुए अब ज़्यादा से ज़्यादा लोग और कंपनियां इंश्योरेंस का सहारा ले रही हैं।

विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस के हेड - एमएसएमई प्रोडक्ट्स, श्री प्रणय शाह ने कहा कि भारत की एमएसएमई विकास यात्रा में छत्तीसगढ़ की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमारा ध्यान राज्य के उद्यमों के बदलते जोखिमों को समझने और उन्हें भरोसेमंद व सुलभ बीमा समाधान प्रदान करने पर है। वित्त वर्ष 26 में, हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारी वृद्धि देखी है, जिसमें फायर इंश्योरेंस और कन्स्ट्रक्शन इंश्योरेंस में 30% से अधिक और ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस में 20% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

स्थानीय स्तर पर अपनी उपस्थिति को मज़बूत करके और विशेषज्ञ क्षमताओं में निवेश करके, हमारा लक्ष्य एमएसएमई को सशक्त बनाना, आजीविका की रक्षा करना और व्यवसाय की निरंतरता सुनिश्चित करना है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ते एमएसएमई क्षेत्र के साथ कदम मिलाते हुए, टाटा एआईजी व्यवसायों को उनकी उभरती आवश्यकताओं के अनुसार सटीक बीमा सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी स्थानीय समझ, आधुनिक तकनीक और ग्राहक केंद्रित सेवाओं के दम पर, कंपनी इन उद्यमों को मज़बूत बनाने और उनके विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद कर रही है।

धूमधाम से संपन्न हुआ रोटरी ऐलिगेंस का चार्टर डे और पूल पार्टी उत्सव

रायपुर (विश्व परिवार)। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ऐलिगेंस द्वारा एक शानदार पूल पार्टी एवं क्लब का चार्टर डे का आयोजन एक निजी रिसोर्ट में बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस आयोजन में क्लब के सदस्यों और अतिथियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में मस्ती भरे गेम्स ,मनोरंजन गतिविधियाँ, लाइव म्यूजिक, स्वादिष्ट स्नेक्स और रिफ्रेशमेंट का विशेष आकर्षण रहा। सभी उपस्थित लोगों ने पूल पार्टी के अनोखे माहौल का भरपूर आनंद लिया और एक दूसरे के साथ खुशनुमा पल साझा किया। क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन नीरू अग्रवाल ,सेक्रेटरी रोटेरियन तनुश्री अग्रवाल एवं चेयरपर्सन रोटेरियन नीतू गोयल ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम क्लब में आपसी जुड़ाव और उत्साह को बढ़ाते हैं। यह फूल पार्टी सभी के लिए एक यादगार अनुभव है जिसमें मनोरंजन मित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ने बदली श्रीमती माया की जिंदगी

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत देवरी की श्रीमती माया वर्मा ने महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। 35 वर्षीय श्रीमती वर्मा पहले एक गृहिणी थीं, लेकिन अब वे मनरेगा के तहत मेट के रूप में कार्य कर रही हैं। इस कार्य से वे सशक्त हुई हैं और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई हैं। काम के दौरान उन्हें गाँव के मजदूरों और अन्य मेट साथियों का भी भरपूर सहयोग मिलता है।

गांव-गांव में सुशासन की दस्तक: मौके पर समाधान, जनता में विश्वास: लक्ष्मी राजवाड़े

- मंत्री ने आत्मीयता से सुनी समस्याएं, मोहरसोप शिविर में 872 आवेदन प्राप्त, 275 का मौके पर ही निराकरण

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुशासन तिहार राज्य शासन की ऐसी अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से शासन और प्रशासन स्वयं ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह अभियान अंत्योदय की भावना को साकार कर रहा है और शासन की जनहितैषी सोच का सशक्त उदाहरण बन चुका है।उन्होंने यह उद्बोधन जनपद पंचायत ओड़गी के ग्राम पंचायत मोहरसोप, जिला सूरजपुर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में दिया। इस अवसर पर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिनका मौके पर ही समाधान कर प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय दिया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं को आत्मीयता और गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उनकी सहजता और संवेदनशील व्यवहार से ग्रामीणों में विशेष विश्वास का वातावरण बना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि गांव स्तर पर ही समाधान उपलब्ध हो। इसी उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर आमजन से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित न रहें। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। यहां आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा एवं उज्ज्वला योजना सहित अनेक योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस शिविर में कुल 872 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 828 मांग एवं 44 शिकायत से संबंधित थे। त्वरित कार्यवाही करते हुए 275 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिनमें 264 मांग और 11 शिकायतें शामिल हैं।

बारिश में कहीं भी जल भराव हुआ, तो संबंधित जोन कमिश्नर होंगे जवाबदेह : महापौर मीनल

- बारिश पूर्व सफाई को लेकर दिए सख्त निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने बारिश पूर्व जल भराव की समस्या दूर करने सुगम निकास प्रबंधन शहर में कायम करने सख्त निर्देश आवश्यक बैठक लेकर दिए. महापौर ने कहा कि बारिश पूर्व सभी नालों की अच्छी तरह द्दढ़ सफाई करवाने के कार्य को गंभीरता से करवाएं. बारिश में कहीं भी जल का भराव हुआ, तो इसके लिये सम्बंधित जोन कमिश्नर और जोन स्वास्थ्य अधिकारी सीधे जवाबदेह रहेंगे.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर नगर निगम के जोन अध्यक्षगणों को बुलाकर शहर में बारिश पूर्व नालों की सफाई को लेकर जोन कमिश्नरों, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, स्वच्छता निरीक्षकों सहित नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, सर्वश्री मुरली शर्मा, अम्बर अग्रवाल, बद्री प्रसाद गुप्ता, प्रीतम सिंह, ठाकुर, गोपेश साहू, सचिन बी. मेघानी की उपस्थिति रही.महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्दढ़ निर्देश दिए कि व्यवहारिक रूप से आवश्यक होने पर जोन अधिकारी स्वच्छता का कार्य सफाई में बाधक पाटों को हटाकर बारिश पूर्व करवाएं, इसमें कोई लापरवाही कदापि सहन नहीं की जाएगी. सभी जोन कमिश्नर अपने जोन में आपदा प्रबंधन उपकरण की जाँच और परीक्षण तत्काल करें और आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत करवाकर उन्हें तैयार करवा लें. विशेष ध्यान रखें कि शहर में बारिश में किसी भी स्थान पर जल का भराव ना होने पाए. अन्यथा की स्थिति में नगर निगम द्वारा जिम्मेदारी तय करके सम्बंधित अधिकारियों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी.

लिवर हेल्थ के लिए प्रिवेंटिव हेपेटोलॉजी पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी (ढ्ढस्त्र) छत्तीसगढ़ चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन्स ऑफ इंडिया (ड्ढक्क) के साथ मिलकर 10 मई 2026 को रायपुर में प्रिवेंटिव हेपेटोलॉजी पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य राज्य के डॉक्टरों को लिवर सिरोसिस को रोकने के आसान और प्रभावी तरीकों की जानकारी देना है।

इस सम्मेलन में देश के जाने-माने विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो बीमारी की समय पर पहचान, सही जीवनशैली और बेहतर इलाज के तरीकों पर मार्गदर्शन देंगे। इसमें डॉक्टरों को जांच, जोखिम को पहचानने और सामाजिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के बारे में जानकारी मिलेगी। इस मौके पर छत्तीसगढ़ लिवर शील्ड कंसोर्टियम की भी शुरुआत की जाएगी। यह एक ऐसा मंच होगा, जो पूरे राज्य में लिवर से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता, प्रशिक्षण और सहयोग को बढ़ावा देगा।

अपोलो हॉस्पिटल, बिलासपुर से आयोजन अध्यक्ष डॉ. देविंदर सिंह विरदी ने कहा, लिवर सिरोसिस समय पर जागरूकता और उचित कदमों से रोका जा सकता है। यह सम्मेलन और छत्तीसगढ़ लिवर शील्ड कंसोर्टियम हमारे राज्य कि लिवर के स्वास्थ्य की सुरक्षा की दिशा में एक सशक्त पहल है। सीनियर गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर से आयोजन सचिव डॉ. ललित निहाल ने कहा, देश भर के प्रख्यात लिवर विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर हम फैटी लिवर शराब से जुड़े लिवर की बीमारियाँ वायरल हेपेटाइटिस और उसके रोकथाम के लिए संगठन (छत्तीसगढ़ लिवर शील्ड) बनाने जा रहे है।

बिजली सप्लाई को बेहतर बनाने नई तकनीकों का करें उपयोग: सुबोध कुमार सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने डंगनिया स्थित मुख्यालय में जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिजली हर व्यक्ति के जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है और उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना पावर कंपनीज़ की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि विद्युत व्यवस्था को आधुनिक, तेज एवं उपभोक्ता केंद्रित बनाने के लिये नवीन टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग किया जाए। उन्होंने डाटा बेस्ड डिसिजन मेकिंग पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक एआई तकनीक का उपयोग कर विद्युत आपूर्ति, फॉल्ट मॉनिटरिंग, लोड प्रबंधन, उपभोक्ता शिकायत निवारण एवं सिस्टम मॉनिटरिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

श्री सिंह ने कहा कि पावर कंपनीज़ में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नई तकनीकों एवं आधुनिक कार्यप्रणाली से लैस किया जाना चाहिए, ताकि कार्य क्षमता, मॉनिटरिंग सिस्टम और उपभोक्ता सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार किया जा सके।

उन्होंने तीनों कंपनियों के अधिकारियों की अलग-अलग बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में नए भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाने, लंबित परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा उपभोक्ता सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के

छत्तीसगढ़ शासन की खाद् वितरण की गलत नीति से किसान परेशान: धनेन्द्र

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री छ ग् शासन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार की गलत नीति के कारण आज फिर से किसान वर्ग पूरी तरह से परेशान हो रहा है किसानों को खाद के लिए सोसाइटियों की चक्कर काट काटकर भटकना पड़ रहा है परंतु उन्हें कहीं भी खाद नही मिल रहा है।

आज किसानों को इस बात की चिंता सताने लगी है कि सरकार के इस फैसले से उन्हें इस साल की खेती के लिए क्या पर्याप्त रूप से रासायनिक खाद की उपलब्धता उन्हें हो पाएगी या नहीं हो पाएगी और यदि खाद नहीं मिला तो आज हम खेती किसानी नहीं कर सकेंगे । आज सरकार लगातार अपनी नीतियों को और नियमों को जानबूझकर जटिलता पैदा कर रहे हैं ताकि किसानों को समय पर खाद न मिले और जिसका फायदा मुनाफाखोर लोग उठावें। पिछले वर्ष 2024-25 में शासन के द्वार किसानों को प्रति एकड खाद प्रदान करने की जो सुविधा थी वह निम्नुसार थी - 1.डीएपी 2 बोरी 50 किलो की भरती वाली दी जाती थी साथ ही (2)यूरिया तीन बोरी तक 45 किलो की भरती वाली दी जाती थी साथ ही सुपर फॉस्फेट को किसानों की आवश्यकता अनुसार बिना कोई लिमिट की दी जाती थी। परंतु इस वर्ष शासन के निर्देशन अनुसार प्रत्येक सोसाइटी में जो आदेश गया हुआ है।

स्वच्छता शपथ के माध्यम से श्रमिक भाई-बहनों को किया जागरूक

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम बीरगांव के आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा के मार्गदर्शन में स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत श्रमिक भाई-बहनों को स्वच्छता की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान सभी को स्वच्छता अपनाने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को स्वच्छता सर्वेक्षण में बीरगांव को श्रेष्ठ स्थान दिलाने के लिए सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की गई।

प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा गोकुलधाम स्थित गौ शाला में गौ माता के लिए आहार की व्यवस्था

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा के 3 राज्यों में जीत का जश्न तो सभी स्थानों पर किया गया परन्तु पदेश व्यापार प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी सदस्यों ने गोकुलधाम स्थित गौ शाला में गौ माता के आहार की व्यवस्था करने के लिए 1 गाड़ी पशु आहार देकर मूक पशुओं की सेवा करने का निर्णय लिया जो कि निश्चित ही सनातन धर्म की दानशीलता का परिचायक है उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी संतोष बैद ने देते हुए बताया कि यह सेवा धर्म के कार्यक्रम को कार्यरूप में परिणित करने का कार्य प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सदस्य श्री अरुण

बेरी, राजेश गुप्ता, रजनीकांत पांडे, विष्णु मिश्रा , सनत देशमुख का महत्वपूर्ण योगदान रहा इस कार्य की प्रेरणा प्रदेश संयोजक श्री सुभाष अग्रवाल द्वारा दी गई इस गौ सेवा के कार्य में रुद्र सेवा समिति का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक सुभाष अग्रवाल , ने इस सेवा के लिए रुद्र सेवा समिति एवं व्यापार प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों को साधुवाद दिया तथा भविष्य में भी जन सेवा के कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

मिलेगी 20 से 40 प्रतिशत तक की विशेष छूट

रायपुर प्रेस क्लब की पहल: पत्रकारों का हो सकेगा रियायती दर पर इलाज

- पत्रकारों के लिए इत्सा हॉस्पिटल ने किया हेल्थ कार्ड जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। पत्रकारों के हित और उनके स्वास्थ्य सरोकारों को ध्यान में रखते हुए रायपुर प्रेस क्लब ने शहर के प्रमुख प्राइवेट अस्पतालों में रियायती दर पर इलाज को लेकर पहल कर रहा है, इसी कड़ी में ITSA (इत्सा) हॉस्पिटल मोवा रायपुर से हुए करार के मुताबिक रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों को अब ITSA हॉस्पिटल में रियायती दर पर इलाज मिल सकेगा , अस्पताल में प्रेस क्लब के सदस्य पत्रकारों और उनके परिजनों को इलाज एवं चिकित्सीय परामर्श पर 20 से 40 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है, इस संबंध में आज रायपुर प्रेस क्लब को ITSA प्रबंधन में डिस्काउंट कार्ड उपलब्ध कराए, रायपुर प्रेस क्लब की कार्यकारिणी लंबे समय से पत्रकारों के कल्याण के लिए प्रयासरत रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इन पदाधिकारियों की रही सक्रिय भूमिका- प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी एवं महासचिव गौरव शर्मा 'भारतीय' के नेतृत्व में इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन से चर्चा की गई। इस प्रयास में उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, तथा संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित अन्य पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। रायपुर प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों को इलाज के बिलों पर रियायत। अस्पताल द्वारा विभिन्न जांचों, ओपीडी और आईपीडी सेवाओं पर 20 से 40 प्रतिशत तक की कटौती की जाएगी।

पत्रकार रायपुर प्रेस क्लब द्वारा जारी अपना हेल्थ कार्ड दिखाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा, पत्रकार साथी दिन-रात जनसेवा में जुटे रहते हैं, ऐसे में उनके और उनके परिवार के स्वास्थ्य की चिंता करना हमारी प्राथमिकता है। ITSA हॉस्पिटल के साथ यह अनुबंध इसी दिशा में एक सार्थक पहल है।

पहल 13 लाख संग्राहक परिवारों को स्थानीय भाषाओं में मिलेगा आजीविका और बाजार भाव का अपडेट

अब एक फोन कॉल पर मिलेगी बाजार और योजनाओं की जानकारी: केदार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने वनांचल में रहने वाले वनोपज संग्राहकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नया रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से छत्तीसगढ़ वनोपज संरक्षण वाणी और आईवीआरएस (IVRS) आधारित सूचना एवं संवाद तंत्र का शुभारंभ किया। यह नवाचार राज्य के 13 लाख से अधिक वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाएगा। यह डिजिटल कदम छत्तीसगढ़ के वनांचल में आर्थिक क्रांति और जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगा।

संग्राहकों को जानकारी प्राप्त करने के लिए किसी जटिल प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। संग्राहकों को टोल फ्री नंबर 9811125813 पर एक मिस्ड कॉल करना होगा। मिस्ड कॉल के बाद 911 से शुरू होने वाले नंबर से उपयोगकर्ता को कॉल बैक आएगा। कॉल रिसीव करते ही संग्राहक अपनी स्थानीय बोलियों जैसे हल्बी, गोंडी आदि में महत्वपूर्ण जानकारियां सुन सकेंगे। जानकारी सुनने के साथ ही उपयोगकर्ता अपनी राय, अनुभव और सुझाव भी रिकॉर्ड कर सकेंगे। वनोपज संग्राहकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक जानकारी पहुँचाने का यह प्रयास राज्य के लाखों परिवारों के लिए आजीविका का संबल बनेगा। वनोपज संरक्षण वाणी तकनीक और जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा संचालित की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आईवीआरएस आधारित यह संवाद तंत्र राज्य में वनाधारित आजीविका को संगठित और मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

प्रमुख लाभ और उद्देश्य

स्थानीय बोलियों को प्राथमिकता के कारण वनांचल की क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी मिलने से सूचनाओं का प्रसार अधिक प्रभावी होगा। जंगल, वनोपज संरक्षण, सतत संग्रहण, बाजार भाव (डंतामज त्ंजमे) और सरकारी योजनाओं की सटीक जानकारी सीधे संग्राहकों तक पहुंचेगी। बाजार भाव और मूल्य संवर्धन की सही जानकारी मिलने से बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और संग्राहकों की आय बढ़ेगी। यह केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि संग्राहकों और शासन के बीच संवाद का एक मजबूत मंच बनेगा।

RAIPUR BUSINESS HUB
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354